EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
एक भारत श्रेष्ठ भारत

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते
Ministry of Education
Government of India

भाषा संगम
Bhasha Sangam
Santhali

Volume 18

STEP-BY-STEP GUIDE FOR USERS TO ACCESS E-RESOURCES LINKED TO QR CODES

The coded box included in this book is called Quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios related to the sentences in the 22 languages given in the book. The first QR code is to access the complete e-book. The subsequent QR codes will help to access the relevant e-Resources linked to the languages in alphabetical order. This will help you enhancing your learning in joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your mobile phone or tablet.

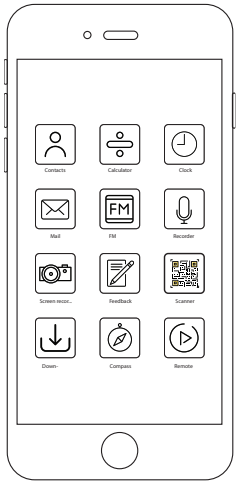

Install QR Code Scanner app from Play Store and open

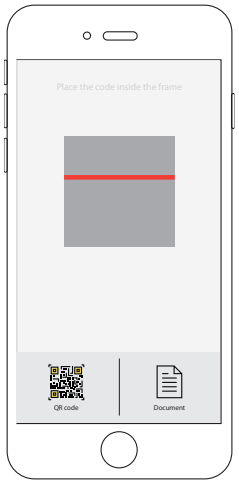

Get ready with QR code scanning window

Place scanner above the QR code

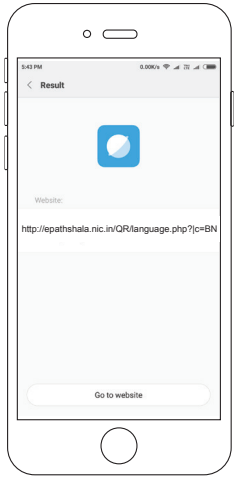

Select and click on the link

Use available e-Resource

For accessing the e-Resources on a computer or laptop follow the steps stated below:

1. Open the web browser like Firefox, Chrome etc.
2. Go to the ePathshala website (http://epathshala.gov.in) and click on ***Ek Bharat Shreshtha Bharat*** Menu
3. Select the language and access the audio and video

भाषा संगम

Bhasha Sangam

BS02SL

Santhali

Volume 18

एक भारत श्रेष्ठ भारत

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), नई दिल्ली विद्यार्थियों की सीखने की प्रक्रिया को रुचिकर एवं आनंदप्रद बनाने के उद्देश्य से बहुआयामी तथा रोचक गतिविधियों को तैयार कर रहा है।

हमारा देश 'विविधता में एकता' की भावना को सम्पुष्ट करने वाला देश है। बहुभाषिकता हमारे देश की अनूठी विशेषता है। हम आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से तो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं ही, साथ ही भारतीय भाषाएं अंतर्भाषिक रूप से भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। इसलिए बहुभाषी होना हमें एक-दूसरे को जानने, समझने के साथ-साथ देश को भी मजबूती से जोड़ने में मदद करता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भी बहुभाषिकता को एक ताकत के रूप में देखा गया है। शोध एवं अनुसंधानों से स्पष्ट है कि शुरुआती वर्षों में बच्चों में भाषा सीखने की अद्भुत क्षमता होती है। इसलिए कई भाषाओं के माध्यम से खेल-खेल में सीखने संबंधी अभ्यास करवाया जाए तो निश्चय ही बेहतर परिणाम होंगे। साथ ही, अन्य विषयों को सीखना भी आसान हो जाएगा। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा में उनकी मातृभाषाओं या आस-पास की भाषाओं के साथ-साथ अन्य भाषाओं से भी परिचय कराने का प्रावधान किया गया है। शुरुआती दौर में यह प्रयास हमारे संविधान में शामिल 22 भारतीय भाषाओं तथा अंग्रेजी के माध्यम से किया गया है, जिसका धीरे-धीरे अन्य भाषाओं तक विस्तार किया जाएगा।

एनसीईआरटी द्वारा बहुत ही रचनात्मक ढंग से अनेक बहुआयामी एवं रोचक गतिविधियों को तैयार किया गया है। इसके माध्यम से बच्चे खेल-खेल में पूरे देश की संस्कृति, समाज, भूगोल, रहन-सहन इत्यादि को जान सकते हैं। यह रचनात्मकता आकलन संबंधी रचनात्मकता की भी मांग करती है, इसलिए ऐसे कुछ आकलन संबंधी बिंदु भी इसमें शामिल किए गए हैं। एनसीईआरटी का यह प्रयास निश्चित ही पूरे भारत को एक सूत्र में बांधते हुए 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को समृद्ध करेगा तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को व्यवहारिक रूप प्रदान करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

मैं संस्थान को इन उत्कृष्ट प्रयासों हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

धर्मेन्द्र

(धर्मेन्द्र प्रधान)

MOE - Room No. 3, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 115, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

About Bhasha Sangam...

Language is a major instrument in shaping individuals, society, culture, learning and education, thinking and identity of people. Language learning, as we know, is fundamental to all learning and harmonious development of young children into citizens for a country. Learning many languages in school and in society is common in our country and almost all Indians are multilinguals. This multilingual characteristics of the country is reflected in school education as the school curriculum advocates learning of many languages.

Bhasha Sangam is yet another effort in moving towards achieving the goal of education as also the vision of the Indian Constitution. **National Education Policy 2020**, while deliberating on language education in school underscores the need for recognising and promoting multilingualism as a path to realising the fundamental aims of education and schooling. The effort to enable our learners learn and use 100 sentences in the 22 languages will go in a long way in promoting language learning and understanding others through schooling. I sincerely hope that this programme of *Bhasha Sangam* is taken in all seriousness and implemented in schools to achieve the goals of education.

I wish all learners, teachers and head teachers the best to benefit the maximum from *Bhasha Sangam.*

भाषा वह माध्यम है जो प्रत्येक व्यक्ति, समाज, संस्कृति, शिक्षा, चिंतन और जन अस्मिता को स्वरूप प्रदान करता है। जैसा कि विदित है कि भाषा सीखना और सिखाना मानवता के लिए एक मूलभूत आवश्यक तत्त्व है। इसके परिणाम स्वरूप नागरिकों में एकता और सद्भावना विकसित होती है। विद्यालयों में अनेक भाषाओं का शिक्षण एक सामान्य बात है और लगभग सभी भारतीय बहुभाषी हैं। बहुभाषिकता की इसी विशेषता को लक्षित करते हुए स्कूली पाठ्यक्रम में बहुभाषिकता को प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भाषा संगम एक प्रयास है जो यह सुनिश्चित करता है कि सभी भारतीय भाषाओं का सम्मान और प्रसार हो। इसके अंतर्गत यह चेष्टा की गई है कि सभी शिक्षार्थी 22 भाषाओं में 100 वाक्यों को सीखेने और बोलने का प्रयास करेंगे। इस प्रकार विभिन्न भाषाओं के प्रति समझ, रूचि और बोध संभव होगा।

मुझे पूरी आशा है कि भाषा संगम को पूर्ण गंभीरता से कार्यान्वित किया जाएगा, जिससे स्कूली शिक्षा के हमारे इस महती लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा। मैं सभी शिक्षार्थियों, अध्यापकों और विद्यालय प्रमुखों को भाषा संगम अभियान का लाभ उठाने की शुभकामनाएँ देता हूँ।

Sridhar Srivastava

Sridhar Srivastava
Director
National Council of Educational Research and Training
New Delhi 110016

एक भारत श्रेष्ठ भारत
भाषा संगम

आप और हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहाँ थोड़ी–थोड़ी दूरी पर भाषा बदल जाती है। आप एक से ज़्यादा भाषा जानते, समझते, सुनते या बोलते होंगे, इस बात में कोई शक नहीं हो सकता। यह हमारे देश और समाज की ख़ूबसूरती है। आपकी कक्षा में आने वाले बच्चे भी ऐसे पारिवारिक या सामुदायिक परिवेश से आ सकते हैं जहाँ एक से ज़्यादा भाषाएँ बोली जाती हों। संभावना ये भी है कि स्कूल में इस्तेमाल होने वाली भाषा बच्चों के परिवेश में मौजूद न हो। इस सामाजिक सच्चाई को स्कूल में उचित स्थान मिलना ज़रूरी है।

इन्हीं विविधताओं का सम्मान करते हुए और उन्हें आपस में जोड़े रखने के लिए **"एक भारत, श्रेष्ठ भारत"** के अंतर्गत **'भाषा संगम'** कार्यक्रम की परिकल्पना की गई है। **'भाषा संगम'** हमारे संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाने और बहुभाषिकता के प्रति जागरूक करने की ओर एक पहल है। इसके फलस्वरूप विद्यार्थी न केवल बहुभाषिकता के प्रति जागरूक होंगे बल्कि उस भाषा का इस्तेमाल करने वाले लोगों की सामाजिक, सांस्कृतिक व्यवहारों और संदर्भों को समझ पाएंगे।

भाषा संगम के उद्देश्य

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में निहित सभी 22 भारतीय भाषाओं से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
- सभी भाषाओं के प्रति आदर और सम्मान को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थियों को इन भाषाओं के माध्यम से देश की अनूठी सांस्कृतिक छटाओं और व्यवहारों के समीप लाना।

भाषा संगम का क्रियान्वयन

भाषा संगम की शुरूआत में विद्यार्थियों को अलग-अलग भाषाओं के पाँच वाक्य सीखने के मौके दिये गए। फलस्वरूप विद्यार्थियों में इन भाषाओं को विस्तार से जानने की और इन भाषाओं को बोलने वाले लोगों के सांस्कृतिक, सामाजिक व भाषिक व्यवहार को जानने समझने की जिज्ञासा बढ़ी। इसलिए विद्यार्थियों को 22 भाषाओं में लगभग 100 वाक्यों के गुच्छे सीखने के लिए दिये जा रहे हैं। इन वाक्यों से परिचित कराने से पहले एक अपेक्षित माहौल बनाने की जरूरत होगी, जिससे कि दूसरी भाषाओं को सीखने में सुगमता और सहजता आ सके। हमारा विश्वास यह है कि विद्यार्थी इन्हीं वाक्यों तक सीमित न रह कर आगे बढ़ें।।

- यह कार्यक्रम राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में संविधान में दी गई सभी 22 भाषाओं का समावेश किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में सरल व सामान्य रूप से इस्तेमाल होने वाले छोटे-छोटे वाक्य तैयार किए गए हैं जिन्हें सभी विद्यार्थियों के साथ एक पुस्तिका के रूप में साझा किया जाएगा।

पुस्तिका की प्रस्तुति/ रूपरेखा इस प्रकार है -

- इस पुस्तिका में दिये गए वाक्य संवाद शैली में बने हैं। ये वाक्य विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक एवं दैनिक जीवन से संबद्ध विषयों पर आधारित है।
- इन वाक्यों की रूपरेखा कुछ इस प्रकार से की गई है: पहले मूल भाषा में फिर देवनागरी लिपि में फिर उसका हिंदी अनुवाद - रोमन लिपि में व अंग्रेजी में अनुवाद किया गया है।
- इन विषयों पर आधारित वाक्यों को सीखने-समझने और अभ्यास करने के लिए 20 कार्य दिवस प्रस्तावित किए गए हैं।
- प्रत्येक विषय और उसके अंतर्गत आने वाले वाक्यों के लिए दिनों का निर्धारण सुझाया गया है। यदि किन्हीं दिनों में वाक्यों की संख्या अधिक है तो उनके अभ्यास के लिए आवश्यकतानुसार दिनों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- औपचारिक रूप से इस पुस्तिका के इस्तेमाल के लगभग एक माह पहले उपयुक्त परिवेश बनाने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है।
- अभीष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इस प्रक्रिया को अभ्यास के द्वारा आगे के महीनों में भी दोहराया जा सकता है।
- इस परियोजना के दस्तावेजीकरण के लिए और विद्यालयों को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ सुझाव हैं, जैसे- विद्यालय विद्यार्थियों की प्रमुख गतिविधियों/दैनिक गतिविधियों के छायाचित्र और वीडियो तैयार कर 'अपलोड' करेंगे। राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेशों के विद्यालयी शिक्षा विभाग, डी.ई.ओ. और बी.ई.ओ. भी इन गतिविधियों की तस्वीरें और वीडियो राज्य स्तर, जिला स्तर या ब्लॉक/ संकुल स्तर पर 'अपलोड' कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के द्वारा 'अपलोड' की गई अथवा भेजी गई तस्वीरों और वीडियो के आधार पर सर्वश्रेष्ठ विद्यालय, सर्वश्रेष्ठ ब्लॉक, सर्वश्रेष्ठ जिला, सर्वश्रेष्ठ राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।
- यदि कुछ विद्यार्थी अन्य भाषा बोलना और पढ़ना-लिखना जानते हैं तो उन्हें पढ़ने के लिए और दूसरों को पढ़ना-लिखना सिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसी प्रकार यदि कोई अध्यापक/ अध्यापिका, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या कोई अन्य उस भाषा को पढ़ सकते हों तो उन्हें उन वाक्यों को पढ़ने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- प्रस्तावित पुस्तिका और उससे संबंधित गतिविधियाँ अर्थपूर्ण और रोचक माहौल में आयोजित की जानी चाहिए ताकि बच्चे सीखी जाने वाली भाषा का इस्तेमाल रोजाना की आपसी बातचीत में करने की कोशिश करें। ऐसा करने में कुछ हँसी-मजाक का माहौल भी बन सकता है। शिक्षक भी बच्चों के साथ इस बातचीत में शामिल हों।

प्रस्तावित गतिविधियाँ

- यहाँ 12 विभिन्न विषयों पर लगभग 100 वाक्य दिए गए हैं। राज्य/विद्यालय किसी भी दूसरे राज्य की भाषा, बोलने और अभ्यास के लिए चुन सकते हैं। यह बातचीत प्रातःकालीन सभा में की जाएगी।
- विद्यार्थियों को इन वाक्यों पर पोस्टर तैयार कर उन्हें विद्यालयों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए अध्यापकगण उसी भाषा में बच्चों को संबोधित करेंगे और उनसे बातचीत करेंगे।
- विद्यार्थियों को इस बात के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा कि घर पर परिवार के सदस्यों के साथ इन वाक्यों को साझा करें।

- इस पहल/कार्यक्रम से संबंधित अन्य गतिविधियों का आयोजन विद्यालय अपने स्तर पर कर सकते हैं।
- इन भाषाओं के लोक-गीतों, प्रचलित गाने, खेल-गीत, कविताओं का इस्तेमाल इस भाषा के प्रति रुझान उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है।
- भूगोल, भाषा, इतिहास, पर्यावरण अध्ययन आदि विषय पढ़ाते समय ये संवाद/ वाक्य समुचित स्थान पर यथासम्भव उपयोग में लाए जा सकते हैं, क्योंकि ये संवाद/ वाक्य बच्चों के लिए प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं।

भाषा संगम एक ऐसा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को देश के राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों और उनमें समाहित सांस्कृतिक, भाषिक विविधता को समझने का अवसर देगा। यह कार्यक्रम आपसी संवाद की एक पहल है।

आपके स्कूल में यह कार्यक्रम सुचारू रूप से चल सके उस के लिए आप कुछ तैयारी इस तरह से कर सकते हैं:

- विद्यालय प्रमुख स्कूल के सभी अध्यापकों के साथ इस कार्यक्रम से जुड़ी सामग्री को ज़रूर पढ़ें। पढ़कर उस पर चर्चा हो और कार्यक्रम के हर पहलू पर बातचीत हो। यह कार्यक्रम बहुभाषिकता की समझ पर टिका है इसलिए इस पर साझा समझ बनाना बेहद ज़रूरी है।
- अभिभावकों की साझेदारी इस कार्यक्रम में ज़रूरी है। शिक्षक अभिभावक संघ की मीटिंग के ज़रिये अभिभावकों को इस कार्यक्रम से परिचित करवाएं और उन्हें अपने विचार और सुझाव रखने को कहें।
- इस कार्यक्रम की सफलता के लिए ज़रूरी है कि स्कूल में सभी अपनी ज़िम्मेदारी जानते हों। कक्षा 4 से 8 तक पढ़ाने वाले शिक्षकों में से एक मुख्य समन्वयक की ज़िम्मेदारी ले लें और 2-3 शिक्षक सह-समन्वयक की भूमिका में मदद कर सकते हैं।

भाषा संगम के लिए तैयारी– कक्षा में माहौल बनाना

यह कार्यक्रम बच्चों के अनुभव क्षेत्र में एक ऐसी भाषा ले कर आ रहा है जो आमतौर पर आपके स्कूल के बच्चों ने कभी न सुनी हो, हो सकता है भाषा का नाम सुना हो पर भाषा सुनने का कभी मौका न मिला हो। यह भाषा अपरिचित तो लग ही सकती है, इस की ध्वनियाँ, वाक्यों का उतार-चढ़ाव, यह सब भी एक नयापन लिए सुनाई देंगे। बच्चों और खुद के कानों को इस भाषा की आवाज़ों और उच्चारणों की आदत डालनी होगी। इस के लिए आप महीने भर का समय लें और इस समय में भाषा को सुनने का मज़ा लें। इस मज़े में भाषा से दोस्ती हो पाएगी।

सरल और सहज माहौल जिस में भाषा के कुछ खेल, गीतों, जनमानस में छाए लोक गीतों, बच्चों के लिए उपयुक्त फ़िल्मी गानों का भरपूर इस्तेमाल हो। पहेलियाँ और चुटकुले पीछे न रह जाएँ- खासकर वो जिनमें ध्वनियों, शब्दों का खेल हो। कुछ साधन-सामग्री तो आप तक पहुंच ही जाएगी पर इन्टरनेट का भी सहारा लें। सुनें, सुनाएं, गाएं, गुनगुनाएं, खेलें। आप के उत्साह और आप को आ रहे आनंद से बेहतर साधन-सामग्री असल में कुछ भी नहीं है। इस में आपको कक्षा में बहुत समय देने की ज़रूरत भी नहीं है। दिन में दो-दो बार 10-15 मिनट काफ़ी होंगे। बस आप की तैयारी पूरी रहे। ऐसा समय अच्छा हो सकता है जब बच्चे दिमागी कवायद से थक गए हों या फिर खाने से ठीक बाद के 10-15 मिनट या फिर घर जाने से पहले। यह पूरी कोशिश केवल कानों को नयी भाषा सुनने के लिए अभ्यस्त करने की है और उस में आनंद लेने की। इसे आप औपचारिकता से दूर रखें। इस महीने में बच्चों को किसी भी तरह से परखा न जाए।

- इस दौरान आप को कुछ ऐसे स्रोतों की ज़रूरत पड़ सकती है जिस से कक्षा में नयी भाषा सीखने का माहौल बन सके। नीचे कुछ ऐसे ही स्रोतों की सूची है जहाँ आपको विभिन्न भाषाओँ में सामग्री मिल सकती है:
  - राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली
  - राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
  - जिलों के मंडल शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
  - सांस्कृतिक संदर्भ एवं प्रशिक्षण केंद्र
  - चिल्ड्रेन फिल्म सोसाइटी
  - नेशनल बुक ट्रस्ट

सीखने की प्रक्रिया- बच्चों की प्रतिक्रियाएं

जब एक ऐसी भाषा बच्चों के कानों में पड़ेगी जो उन्होंने पहले नहीं सुनी तब बच्चों की प्रतिक्रियाएँ अलग-अलग तरह की होंगी। हो सकता है कुछ बच्चे शुरुआत में कोई दिलचस्पी न दिखाएं, हो सकता है कुछ को अटपटी लगी, कुछ को मजेदार लगे और कुछ इसका मज़ाक भी उड़ाएं। हमें सभी तरह की प्रतिक्रियाओं के लिए तैयार रहना होगा। हम जितने सम्मान, दिलचस्पी और उत्साह के साथ इस भाषा के साथ बच्चों का परिचय करवाएंगे बच्चों का रवैया भी भाषा के प्रति वैसा ही विकसित होगा।

रचनात्मक आकलन

आकलन के समय इस ख्याल को ज़हन में रखना मददगार होगा कि कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को भाषा सिखा देना नहीं है। बीस दिन में यह संभव भी नहीं। सम्बंधित भाषा के ये वाक्य बच्चों को उस भाषा को सुनने का सन्दर्भ देते हैं। यह कार्यक्रम इन वाक्यों को यांत्रिक रूप से रटा देने का भी उद्देश्य नहीं रखता। **कार्यक्रम के दौरान अगर अपनी भाषा(ओं) से अलग भाषा(ओं) के प्रति हमारे रवैये में एक बदलाव आने लगे तो यह इस कार्यक्रम की सफलता का संकेत होगा।** बच्चों में ये समझ बन पाए कि देश (और संसार) में अनेक भाषाएँ हैं और ये भाषाएँ उतनी ही सक्षम और सुन्दर हैं जैसे की उनकी भाषा। भाषाओँ के प्रति प्रेम और आदर इस समझ से ही पनप सकता है। हमारे आकलन के तरीके भी इस समझ को पहचानें – यह ज़रूरी है। आकलन का सन्दर्भ ऐसा ही हो जिसमें बच्चे भाषा के इस्तेमाल का आनंद ले सकें।

बीस दिन के केन्द्रित भाषा कार्यक्रम के दौरान बच्चों की प्रतिक्रियाओं, भागीदारी और उत्साह का आप अवलोकन करें। आप अपनी टिप्पणियों को एक नोटबुक में दर्ज करते रहें। अगर आपने महीना भर कक्षा में नयी भाषा के लिए माहौल बनाया है तो अवलोकन करना मुश्किल नहीं होगा। आकलन आप तीन स्तरों पर कर सकते हैं।

- कक्षा
- समूह या जोड़ों में

- हर बच्चे का

कार्यक्रम के सन्दर्भ में सुझाए गए इन वाक्यों के आधार पर बच्चों का आकलन सम्बंधित भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर किया जा सकता है। वाक्यों को कई विषय-वस्तुओं में बाँधा गया है। इस तरह से हर विषय-वस्तु बातचीत का एक सुदृढ सन्दर्भ देती है। नीचे दिए हुए पांच प्रश्न भाषा के अलग-अलग पहलुओं पर केंद्रित हैं। **सम्बंधित भाषा की ध्वनियाँ, उसके शब्द, संदर्भ में शब्दों का अर्थ, कुछ मुख्य शब्दों को पहचान कर संदर्भ का अनुमान लगा पाना, संदर्भ में प्रश्न पूछ पाना। जैसे पहलू आकलन में शामिल हों।**

ध्यान दें कि यह आकलन किसी भी तरह से बच्चों की स्मरण शक्ति की जांच नहीं है। वैसे ही शुद्ध उच्चारण पर ज्यादा बल नहीं देना चाहिए क्योंकि किसी भी भाषा के उच्चारण में प्रांतीय प्रभाव स्वाभाविक है।

प्रश्न 1. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा के वाक्यों को अन्य भाषाओं के वाक्यों से अलग सुन पाता है?

प्रश्न 2. क्या बच्चा (सुझाए गए इन वाक्यों में से) सुन कर विषय-वस्तु का अनुमान लगा पाता है?

प्रश्न 3. क्या बच्चा सुझाई गयी विषय-वस्तुओं पर केन्द्रित बातचीत के मुख्य शब्दों के अर्थ बता पाता है?

प्रश्न 4. क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे पाता है?

प्रश्न 5. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से संदर्भ बताने पर क्या बच्चा सम्बंधित भाषा में प्रश्न पूछ पाता है?

ऊपर दिए गए प्रश्नों के जवाब पाने के लिए नीचे कुछ आकलन के तरीके सुझाए जा रहे हैं। आप इनको अपनी ज़रूरत और संदर्भ के हिसाब से बदल सकते हैं। आप उन बदलावों का या अपने बनाये तरीकों का विस्तृत विवरण ज़रूर रखें। तीन या चार भाषाओँ के ऑडियो क्लिप बच्चों या बच्चे को सुनवाएं। सीखी जा रही भाषा के ऑडियो क्लिप को पहचानने के लिए कहें।

1. सम्बंधित भाषा में एक विषय-वस्तु पर बातचीत आप सुनाएं या दो बच्चों को रोले-प्ले करने के लिए कहें या फिर ऑडियो प्ले करें। बच्चों या बच्चे को बातचीत की विषय-वस्तु बताना है।
2. बातचीत की विषय-वस्तु बताने पर आप बच्चों या बच्चे से बातचीत में आए ऐसे शब्द और उनके अर्थ बताने के लिए कहें जिनके आधार पर उन्होंने विषय-वस्तु का अनुमान लगाया।
3. सुझाई गयी विषय-वस्तुओं में से किसी में से आप प्रश्न पूछें। बच्चे या बच्चा उस प्रश्न का उसी भाषा में जवाब दें।
4. आप एक सन्दर्भ का उल्लेख करें और बच्चों या बच्चे से पूछें की वे/वो सीखी जाने वाली भाषा में सन्दर्भ से जुड़ी बातचीत बताएं।

यह अच्छा होगा कि ये सभी गतिविधियाँ पहले पूरी कक्षा के साथ खेल-खेल में की जाएँ। बच्चों की अनुमान लगा पाने और अर्थ खोज पाने और समझने की क्षमता को सराहें। ये, दो कारणों से ज़रूरी है। भाषा की नींव अर्थ में हैं। दूसरा, रोज़मर्रा की ज़िन्दगी में बहुभाषिकता में सटीकता पर ज़ोर न हो कर एक-दूसरे को समझने की कोशिश होती है। कक्षा में भी हम समझने की कोशिश करें कि बच्चे क्या बताना चाह रहे हैं।

Ek Bharat Shreshtha Bharat
Bhaashaa Sangam

We live in a country where language changes after a few kilometers. We appreciate, understand, listen to and speak more than one language. This is a beautiful aspect of our society and country. The students come to school with more than one language. There is a possibility that the language prevalent at the school may not be present in the child's social environment. This social reality must be recognised at school level.

Respecting the diversity and to keep all languages connected with one another, ***Bhaashaa Sangam*** under the programme, ***Ek Bhaarat, Shreshtha Bharat*** has been conceptualized. ***Bhaashaa Sangam*** reflects and realises the vision of the Indian Constitution on languages, linguistic and cultural diversity. This is a step towards creating an awareness and encouraging our students towards multilingualism. Consequently, students will not only become aware, but also understand socio-cultural behaviors of people using languages.

Objectives of Bhaashaa Sangam

- To familiare students with the 22 Indian languages of the 8th schedule of the Indian Constitution.
- To foster lingustic harmony among students and promote national integration through learning of languages.
- To bring students closer to the unique cultural hues and diversity of our country through languages.

Implementation of *Bhaashaa Sangam*

In the first programme of *Bhaashaa Sangam*, students were exposed to and given opportunities to learn five sentences from the 22 scheduled languages. As a result, students developed curiosity to learn more about the languages and attempted to know more about the cultural, social as well as linguistic background of people who speak these languages. In this programme of *Bhaashaa Sangam,* students are being given bunches of about 100 sentences in the 22 languages. Appropriate environment needs to be created before introducing students to these sentences, so that these sentences can be learnt with ease and spontaneity. We believe that students will go beyond and become familiar with the languages.

- This programme will be operated and executed in all the states and union territories by the Education Department.
- All the 22 languages of the Indian Constitution are included in this programme. Short and simple sentences used in day-to-day life contexts have been prepared for this programme. These sentences are shared with schools, teachers and students in the form of audio, video with Indian Sign Language (ISL) and print booklet.

Presentation of the booklet

- The sentences given in this booklet are in dialogue form. These sentences are relevant and based on the subjects /topics from the daily lives of students.
- The sentences are presented in the following way: **i.** In the Indian language, **ii.** In Devanagari script, **iii**. In Hindi, **iv.** In Roman script and **v.** In English.
- 20 working days have been assigned to understand and practice the sentences in different topics for one language.
- Allocation of days has been suggested for every topic and the sentences under each topic. If sentences are more for a topic, number of days can be increased for practice as required.
- Process for preparation of a conducive environment should start one month prior to the formal introduction of the sentences.
- To achieve the desirable objectives, the same content can be practiced and repeated in the following months.
- For documentation of this project and motivation of the schools, there are some suggestions. For example, schools can upload pictures and videos of principal activities/ daily exercises of students. Education Departments, C.E.Os, D.E.O., B.E.Os in the States and Union Territories can also upload the pictures or videos of these activities at the Block / Centre /Zonal or State levels. Ministry of Education (MoE), School Education and Literacy Department, Government of India can select best school, best block, best district, best state / union territory on the basis of these pictures / videos and confer prizes to them.
- If a student knows the language of the neighbouring state (reading, writing, speaking), s/he should be encouraged to help other students learn the same. Similarly, if a teacher, parent any other government servant or any other person knows some other language they can be invited to read out the sentences for students.
- Proposed activities must be conducted in conducive and interesting environment, so that the students can use the language they are learning in their daily conversation. This can also create a fun atmosphere. Teachers should also participate in the conversations.

Proposed activities

There are about 100 sentences from different topics. **States / School systems can select a language of another state, practice and speak in the same language.**

- The dialogues / conversations will be practiced and done during the morning assembly and as and when students find time to do so.
- Students should be encouraged to prepare posters, infographics of depicting these sentences and display them on the notice boards or on walls in the schools.
- Teachers may address students in the same language to encourge them to use the language.
- Students would be encouraged to share these sentences with their family members and neighbours too.
- Activities related to this project can be organized at school level.
- To create further interest in the language, folk songs, popular songs, poems and game-songs can also be used.
- During the teaching of subjects like Languages, Geography, History and Science these sentences can be used at appropriate places in the right context as the sentences are relevant to the subjects and for students.

To conduct this programme efficiently in our schools we can prepare in the following ways

- The Head of School and all the teachers must read the content related to this programme. After reading the content, there should be a discussion about various aspects of the programme. This programme is to promote multilingualism, so a shared vision has to be developed.
- The participation of parents is essential for the success of the programme. Parents should be made aware of the programme through Parent Teacher Meetings (PTM). They should be encouraged to share their ideas and suggestions.
- For making this programme a success, it is important that everyone in the school must be aware of their responsibility. One of the teachers teaching classes 4th to 8th should take the responsibility as a coordinator and two or three teachers can take up the role of co-coordinators.

Preparation for multilingual class: Creating environment in the classroom

This programme will enable the students to experience a language that they might not have heard of in school. Probably, they may have heard the name of the language, but might not have any experience of listening to it. This language can not only be unfamiliar, but the

sounds, the voice modulations, all these can be very new to them. Students and teachers will have to familiarize themselves with the sounds and pronunciation of the language. We can spend an entire month on the same and enjoy listening to the new language. This engagement will result in friendship with the language.

Stress free, informal environment should be created with ample use of songs, games, popular folk songs and appropriate film songs. Riddles and jokes should not be left behind, especially those in which sounds and words are used in a playful manner. Materials will be made available to you but feel free to use resources from internet. Enjoy speaking, listening, playing, muttering and singing. No material is better than our enthusiasm and fun. We don't need to invest too much time in classroom for this. 10 to 15 minutes twice a day are enough. We should be well prepared. These 10 to 15 minutes can be scheduled whenever the students have time, after the lunch- break or in the last period. All efforts are only to make the ears habitual of listening to the new language and enjoy it. It has to be informal. No formal testing or evaluation should be done.

- During this period we may need some resources which will help us to create the right environment to learn a new language in the class. A list of such sources is enlisted here where we can find materials in different languages:
  - National Council of Educational Research and Training
  - State Council of Educational Research and Training
  - District Institutes for Education and Training
  - Centre for Cultural Resources and Training
  - Children Film Society
  - National Book Trust
  - Any other institution interested in Bhasha Sangam.

Process of learning: Children's responses

When children listen to a new language that they may not have heard earlier, they would respond differently. It is a possibility that at the earnest, some students may not show any interest in the language as they may find it strange, some may find it amusing and some others may even make fun of it. We should be prepared for all kinds of responses. The respect, interest and enthusiasm displayed by us, while introducing the new language to the students, will guide development of their attitude towards it.

Creative assessment

During assessment, it would be helpful to keep in mind that the objective of this programme is not to teach students the language; it is not possible in twenty days. Listening to these sentences of the reference language is attributed to listening of the language. Moreover, the objective of this programme is not rote memorization of these sentences. Rather, the change in our attitude towards a language that is different from the one that we are familiar with during the programme will be the signal of its success. The emergence of understanding among students that there are diverse languages in our country (and in the world) and are equally accomplished as well as beautiful as their own language will lead to love and respect for all languages. It is important that our assessment procedures should be able to recognize this understanding. The reference of assessment should be such that students are able to enjoy the usage of language.

During the programme for 20 days, we should observe the responses, participation and enthusiasm of students. Keep recording of your comments in a notebook. If we have been able to create a conducive environment for acquiring a new language during the initial month, then observation will not be a difficult task. We can do the assessment at three levels:

- As whole class group
- In small groups or pairs
- At individual student level

With reference to the programme, assessment on the basis of suggested sentences can be done on different aspects of the language. Sentences have been categorized in different topics. In this manner, every topic provides a novel context for communication. The five questions mentioned below, focus on various aspects of the language. Assessment can include words, meaning of words and sounds in context, identification of some prominent words and guessing their meaning in context, asking questions by referring to the context of the language. This assessment does not judge the memory power of the students in any way. Similarly, there should not be too much emphasis on correct pronunciation as regional variations in pronunciation of any language is obvious.

Question 1. Can students listen and differentiate between sentences of the reference language from other languages?

Question 2. Can students guess the context/ topic by listening to the suggested 100 sentences?

Question 3. Are the students able to come up with meanings of prominent words from the suggested topics in focused discussions?

Question 4. Can students answer the questions asked in the reference language?

Question 5. Can students ask a question from the suggested topics in the reference language, after becoming aware of the context?

Some suggested methods for assessment of aforementioned questions are given below. You can change them according to the need

and the context. Keep a detailed record of the changes or self-created methods used for assessment.

- Make students listen to 3 or 4 audio clips of different languages. Ask them to identify the audio clip of language they are learning.
- Let students listen to the conversation on a topic from the reference language or ask two students to perform a role play or play an audio clip. Students should be able to identify the subject or topic of the conversation.
- When students are able to identify the topic/ subject of conversation, ask them to reveal the words and their meanings that enabled them to guess the topic/ subject.
- Ask a question in the reference language from the suggested topics/ subjects. The students should be able to reply to the question in the same language.
- Give reference to a topic/ subject. Ask the students to carry on with the conversation in the same language.

It will be a good practice that all these activities are conducted in the classroom in play-way manner. Appreciate capacity for guessing, finding the meaning and understanding of the students. It is important for two reasons. The first is that the foundation of a language is inherent in finding the meaning of the utterances. The second is that everyday life does not focus on precision in multilingualism but on attempting to understand each other. Similarly, we should also try to understand what students want to convey.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱯᱟᱭᱞᱚ ᱢᱟᱦᱟ ᱦᱤᱞᱚᱜ ᱩᱯᱩᱨᱩᱢ	**पाईलो माहा हिलोक उपूरूम्**	**पहला दिन जान-पहचान**	**Poilo Maha hilok Upurum**	**First day Introduction/ Familiarisation**
ᱟᱢᱟᱜ ᱧᱩᱛᱩᱢ ᱪᱮᱫ ?	आमाक् ञुतुम चेत?	आपका नाम क्या है?	Amak nutum chet?	What is your name?
ᱤᱧᱟᱜ ᱧᱩᱛᱩᱢ ᱫᱚ ᱢᱩᱥᱠᱟᱱ ।	ईञाक् ञुतुम दो मुसकान।	मेरा नाम मुस्कान है।	Inak nutum do muskan.	My name is Muskan
ᱟᱢ ᱫᱚ ᱚᱠᱟ ᱪᱟᱱᱪᱷᱨᱮᱢ ᱚᱞᱚᱜ ᱠᱟᱱᱟ ।	आम दो ऑका चानच रेम ऑलॉक् काना?	आप किस कक्षा में पढ़ती/पढ़ते हैं?	Amdo oka chanochrem olok kana?	In which class do you study?
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱤᱨᱟᱞ ᱪᱟᱱᱪᱷᱨᱮᱱ ᱚᱞᱚᱜ ᱠᱟᱱᱟ ।	ईञ दो ईराल चानचरिज ऑलॉक् काना।	मैं कक्षा आठ में पढ़ती/पढ़ता हूँ।	Indo iral chanochren olok kana.	I study in Class VIII.
ᱟᱢ ᱟᱭᱚ–ᱵᱟᱵᱟᱣᱟᱜ ᱧᱩᱛᱩᱢ ᱪᱮᱫ ?	आम आयो-बाबावाक ञुतुम चेत?	आपके माँ-पिता का नाम क्या है?	Am ayo-babawak nutum chet?	What are the names of your parents?
ᱤᱧ ᱟᱭᱚᱣᱟᱜ ᱧᱩᱛᱩᱢ ᱫᱚ ᱠᱩᱥᱩᱢ ᱟᱨ ᱵᱟᱵᱟᱣᱟᱜ ᱧᱩᱛᱩᱢ ᱫᱚ ᱯᱨᱚᱠᱟᱥ ।	ईञ आयोवा: ञुतुम दो कुसुम आर बाबावाक ञुतुम दो प्रकाश।	मेरी माँ का नाम कुसुम और पिता का नाम प्रकाश है।	In ayowak nutumdo Kusum ar Babawak nutum do Prakash.	My mother's name is Kusum and my father's name is Prakash.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱢ ᱫᱚ ᱚᱠᱟᱨᱮᱢ ᱛᱟᱦᱮᱱᱟ ?	आम दो ओकारेम ताहँना ?	आप कहाँ रहती/रहता हैं?	Amdo okarem tahena?	Where do you live?
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱨᱟᱸᱪᱤ ᱨᱮᱱ ᱛᱟᱦᱮᱸᱱᱟ ।	ईञ दो राँची रेञ ताहँना।	मैं राँची में रहती/रहता हूँ।	In do Ranchi ren tahena.	I live in Ranchi.
ᱫᱚᱥᱟᱨ ᱟᱨ ᱛᱮᱥᱟᱨ ᱢᱟᱦᱟ ᱦᱤᱞᱚᱜ ᱟᱞᱮᱭᱟᱜ ᱵᱤᱨᱫᱟᱜᱟᱲ	**दोसरा आर तेसारमाहा हिलोक् आलेयाक् बिरदागाड़**	**दूसरा और तीसरा दिन मेरा विद्यालय**	**Dosar maha hilok aleyak birdagarh**	**Second & third day My Shcool**
ᱟᱯᱮᱭᱟᱜ ᱵᱤᱨᱫᱟᱜᱟᱲ ᱨᱮᱭᱟᱜ ᱧᱩᱛᱩᱢ ᱪᱮᱫ ?	आपेयाक् बिरदागाड़ रेनाक्/ रेयाक् ञुतुम चेत्?	आपके स्कूल का नाम क्या है?	Apeyak birdagarh renak/ reyakNutum chet?	What is the name of your school?
ᱟᱞᱮᱭᱟᱜ ᱵᱤᱨᱫᱟᱜᱟᱲ ᱨᱮᱭᱟᱜ/ᱨᱮᱱᱟᱜ ᱧᱩᱛᱩᱢ ᱫᱚ ᱦᱩᱭᱩᱜ ᱠᱟᱱᱟ ᱨᱟᱡᱽᱠᱤᱭᱚ ᱵᱟᱞ ᱵᱤᱫᱭᱟᱞᱟᱭ ।	आलेयाक् बिरदाभाड़ रेयाक् ञुतुम दो होयोक काना राजकीय बाल विद्यालय।	मेरे स्कूल का नाम राजकीय बाल विद्यालय है।	Aleyak birdagarh renak/ reyak Nutum do huyuk kana Rajakiya Bal Vidyalaya.	The name of my school is Rajkiya Bal Vidyalaya.
ᱟᱯᱮ ᱨᱮᱱ ᱪᱟᱱᱚᱪ ᱢᱟᱪᱮᱛ ᱚᱠᱟᱛᱟᱜ ᱥᱟᱛᱟᱢᱮ ᱯᱟᱲᱦᱟᱣ ᱯᱮᱭᱟ ?	आपेरेन चानॉच-माचेत् ऑका सातामे पाड़हाव पेया?	आपके कक्षा अध्यापक कौन-सा विषय पढ़ाते हैं?	Aperen chanoch-machet okatak Satame padhao peya?	What subject does your class teacher teach?

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱞᱮ ᱨᱮᱱ ᱪᱟᱱᱚᱪ ᱢᱟᱪᱮᱛ ᱫᱚ ᱤᱝᱜᱽᱨᱮᱡᱤ ᱯᱟᱹᱨᱥᱤᱭᱮ ᱯᱟᱲᱦᱟᱣ ᱞᱮᱭᱟ ।	आलेरेन चानॉच-माचेत् अंग्रेजी पा़रसीय पाड़हाव लेया।	मेरे कक्षा अध्यापक अंग्रेजी भाषा पढ़ाते हैं।	Aleren chanoch-machet Engreji Parsiye padhao leya.	Our class teacher teaches English language.
ᱟᱢᱟᱜ ᱫᱚ ᱚᱠᱟᱱᱟᱜ ᱥᱟᱛᱟᱢᱨᱮ ᱡᱟᱥᱛᱤ ᱜᱟᱨᱟᱡᱽ ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱛᱟᱢᱟ ?	आमाक् दो ऑका साताम रे जा़सति गॉरॉज मेनाक् तामा?	आपकी किस विषय में अधिक रुचि है?	Amak do oka satamre jasti garaj menak tama?	Which subject interests you the most?
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱯᱟᱹᱨᱥᱤ ᱯᱟᱲᱦᱟᱣᱜᱤᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ–ᱟ ।	इञ दो पा़रसी पाड़हाव गेञ कुशीयाक् आ।	मुझे भाषा पढ़ना अच्छा लगता है।	In do parsi padhao gin kusiyak a.	I like learning languages.
ᱟᱢ ᱯᱟᱹᱨᱥᱤ ᱯᱟᱲᱦᱟᱣ ᱫᱚ ᱪᱮᱫᱟᱜ–ᱮᱢ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ?	आम पा़रसी पाड़हाव चेदाक् एम कुशीयाक् आ?	आपको भाषा पढ़ना क्यों अच्छा लगता है?	Am Parsi padhao do chedak em Kusiak a?	Why do you like learning languages?
ᱚᱱᱟᱨᱮᱫᱚ ᱚᱱᱚᱫᱷᱮᱸᱱ ᱠᱚ ᱛᱟᱦᱮᱸᱱᱟ, ᱚᱱᱟᱨᱮ ᱠᱟᱹᱦᱱᱤ ᱠᱚ ᱛᱟᱦᱮᱸᱱᱟ, ᱚᱱᱟᱨᱮᱫᱚ ᱜᱟᱭᱟᱱ ᱠᱚ ᱛᱟᱦᱮᱸᱱᱟ ।	ओनारे दो ओनड़हें कॉ ताहेंना, ओनारे दो काहनी कॉ ताहेना, ओनारे गायान ताहेना।	इसमें कविताएँ होती हैं, इसमें कहानियाँ होती हैं, इसमें नाटक होते हैं।	Onaredo onodhen ko tahena, Onare do kahani ko tahena, Onare do Gayan ko tahena.	I like learning languages because they have poetry, stories and drama.

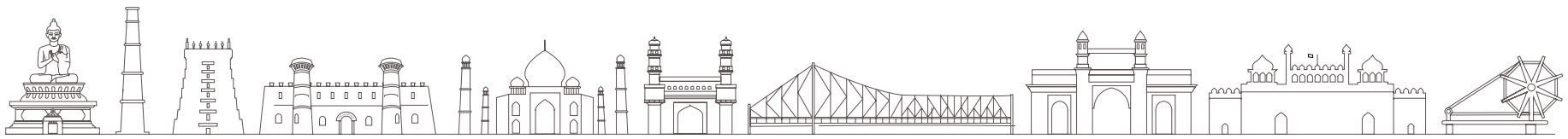

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱦᱳᱭ, ᱦᱳᱭ, ᱜᱟᱭᱟᱱ ᱢᱟᱛᱚᱵᱚᱱ ᱥᱟᱯᱲᱟᱣ ᱫᱟᱲᱮᱭᱟᱜ-ᱜᱮ ।	होय-होय, गायान मातो बोन सापड़ाव दाड़ेयाक् गे।	हाँ-हाँ, नाटक तो हम खेल भी सकते हैं।	Hoi-hoi, gayan mato bon sapdao honbon dareyak ge.	Yes, we can play dramas.
ᱟᱢ ᱫᱚ ᱚᱠᱟ ᱚᱠᱟ ᱯᱟᱹᱨᱥᱤᱛᱮᱢ ᱨᱚᱲ ᱫᱟᱲᱮᱭᱟᱜ-ᱟ ?	आम दो ऑका-ऑका पा़रसितेम रोड़ दाडेयाक् आ?	आप कौन-कौन सी भाषायें बोल सकते हैं?	Am do oka-oka parsitem ror Dareyak a?	Which are the languages you can speak?
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱦᱤᱱᱫᱤ, ᱤᱝᱜᱨᱮᱡᱤ, ᱠᱷᱟᱥᱤ ᱟᱨ ᱱᱤᱠᱳᱵᱟᱨᱤ ᱯᱟᱹᱨᱥᱤ ᱛᱮᱧ ᱨᱚᱲ ᱫᱟᱲᱮᱭᱟᱜ-ᱟ ।	ईञ दो हिंदी, अंग्रेजी, खासी आर निकोबारी पा़रसि तेञ रोड़ दाड़ेयाक् आ।	मैं हिंदी, अंग्रेजी, खासी और निकोबारी बोल सकता हूँ।	In do Hindi, Angreji, Khasi, Nikobari parsiten ror dareyak a.	I can speak Kannada, English, Konkani and Tulu.
ᱯᱩᱱᱩᱱ ᱢᱟᱦᱟ ᱦᱤᱞᱳᱜ: ᱤᱧ ᱟᱭᱳ-ᱵᱟᱵᱟ	**पुनुन माहा हिलोक् इञ आयो-बाबा**	**चौथा दिन मेरे माता-पिता**	**Punun Maha Hilok In ayo-baba**	**Fourth day My Parents**
ᱟᱯᱮ ᱳᱲᱟᱜᱨᱮ ᱳᱠᱟᱭᱮ ᱤᱥᱤᱱ-ᱵᱟᱥᱟᱝ-ᱟ ?	आपे ओड़ाक् रे ओकोये ईसिन बासाङ आ?	आपके घर में खाना कौन बनाता है?	Ape odak re okaye ishin-basang-a?	Who cooks food in your house?

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱭᱳ ᱟᱨ ᱵᱟᱵᱟ ᱵᱟᱱᱟᱦᱚᱨ ᱜᱮ ᱠᱤᱱ ᱤᱥᱤᱱ—ᱵᱟᱥᱟᱝ-ᱟ ᱾	आयो आर बाबा बाना हड़गेकिन ईसिन बासाङ आ।	माँ और पिताजी दोनों खाना बनाते हैं।	Ayo ar baba bana horge kin isin-basang-a.	Both my father and mother cook food in our house.
ᱟᱢ ᱫᱚ ᱚᱠᱚᱭ ᱵᱤᱨᱫᱟ. ᱜᱟᱲ ᱛᱮᱭ ᱥᱮᱴᱮᱨ ᱚᱴᱚᱠᱟᱢᱟ ?	आमदो ऑकॉय विरदा़गाड़ ए सेटेर ओटोकामा?	आपको स्कूल कौन पहुँचाता है?	Amdo okoy birdagarhtey seter hotokama?	Who drops you at school?
ᱚᱠᱟ ᱡᱚᱠᱷᱟᱱ ᱟᱭᱳ, ᱚᱠᱟ ᱚᱠᱟ ᱡᱚᱠᱷᱟᱱ ᱵᱟᱵᱟ ᱵᱤᱨᱫᱟ. ᱜᱟᱲ ᱥᱮᱴᱮᱨ ᱚᱴᱚᱠᱤᱱ ᱦᱤᱡᱩᱜ-ᱟ ᱾	ऑका जॉखान आयो, ऑका ऑका जॉखान बाबा बिरदा़गाड़ सेटेर ऑटॉ किन हिजुक्-आ।	मुझे स्कूल छोड़ने कभी माँ कभी पिताजी आते हैं।	Oka jokhan ayo, oka oka jokhan baba birdagarh seter oto kin hijuk-a.	Either my father or my mother drop me at school.
ᱮᱸᱜᱟᱛ—ᱟᱯᱟᱛ ᱢᱟᱪᱮᱛ ᱢᱤᱫᱩᱱ ᱨᱮ ᱚᱠᱚᱭᱮ ᱦᱤᱡᱩᱜ-ᱟ ?	ऐंगात्-आपात् माचेत मिदुनरे ऑकॉये हिजुक्-आ?	अभिभावक-शिक्षक (पैरंट-टीचर) मीटिंग में कौन आता है?	Engat-apat-machet midunre okoye hijuk-a?	Who comes to attend parent-teacher meetings?
ᱯᱤ.ᱴᱤ.ᱮᱱ ᱨᱮ ᱚᱠᱟ ᱡᱚᱠᱷᱟᱱ ᱟᱭᱳ, ᱟᱨᱦᱚᱸ ᱚᱠᱟ ᱡᱚᱠᱷᱮᱪ ᱵᱟᱵᱟᱭ ᱦᱤᱡᱩᱜ-ᱟ ᱾	पी.टी.एम. रे ऑका जॉखान आयो आरहों ऑका जॉखेच बाबाय हिजुक्-आ।	पी.टी.एम. में कभी माँ और कभी पिताजी आते हैं।	P.T.M. re oka jokhan ayo arhon oka jokhech babay hijuk-a.	Sometimes my father and sometimes my mother come to the P.T.M.

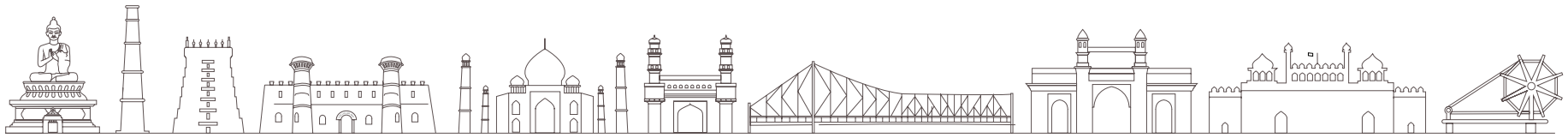

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱢᱚᱸᱲᱮ ᱢᱟᱦᱟ ᱦᱤᱞᱚᱜ ᱡᱚᱢᱟᱜ–ᱧᱩᱣᱟᱜ	**मँडे माहा हिलोक् जोमाक्-ञुआक्**	**पाचवाँ दिन खान-पान**	**Made-maha Hilok Jomak-nuak**	**Fifth day Food**
ᱟᱢ ᱫᱚ ᱪᱮᱫ ᱡᱚᱢᱮᱱ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ?	आम दो चेत् जोमेंम कुशियाक्-आ?	आपको खाने में क्या पसंद है?	Amdo chet jomen kusiak a?	What do you like to eat mostly?
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱥᱚᱲᱮ ᱡᱚᱢᱤᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ᱾	ईञ दो सोड़े जोमिञ कुशियाक् आ।	मुझे खाने में खिचड़ी पसंद है।	In do sode jomin kushiak a.	I like to eat khichdi.
ᱟᱯᱮ ᱴᱷᱟᱠᱚᱨᱮ/ ᱮᱞᱮᱠᱟᱨᱮ ᱚᱠᱟᱠᱚ ᱡᱚ ᱡᱟᱹᱥᱛᱤ ᱧᱟᱢᱚᱜ-ᱟ ?	आपे एलेका रे/टठारे ऑकाको जो जा़सति ञामॉक्-आ?	आपके इलाक़े में कौन सा फल ज़्यादा मिलता है?	Ape tothakore/elekare okako jo jasti namok a?	Which fruit is plentily available in your area?
ᱟᱞᱮ ᱚᱱᱟᱠᱚᱨᱮ ᱫᱚ ᱯᱤᱭᱟᱹᱨᱤ, ᱯᱤᱯᱟᱹ ᱡᱟᱹᱥᱛᱤ ᱧᱟᱢᱚᱜ- ᱟ ᱾ ᱢᱮᱱᱠᱷᱟᱱ ᱤᱧᱫᱚ ᱠᱟᱭᱨᱟᱹ ᱜᱮᱱ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ- ᱟ ᱾	आले ऑनाकोरे दो पियाऱि, पिपा़ जा़सति ञामॉक्-आ। मेनखान ईञ दो कायरा गेञ् कुसियाक् आ।	हमारे यहाँ अमरूद, पपीता ज़्यादा मिलता है। लेकिन मुझे केला पसंद है।	Ale onakore do piyari, pipa jasti namok a. Menkhan in do kaira gen kushiyak a,	Guava and Papaya are available in my area, but I like Banana the most.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱛᱩᱨᱩᱭ ᱢᱟᱦᱟᱸ ᱦᱤᱞᱚᱜ ᱥᱟᱱᱣᱟᱨ	**तुरुई माहा हिलोक् सांवार**	**छठा दिन सेहत**	**Turui Maha Hilok Sanwar**	**Sixth day Health**
ᱟᱢ ᱫᱚ ᱥᱮᱛᱟᱜ ᱵᱮᱲᱟ ᱛᱤᱱ ᱨᱮᱢ ᱵᱮᱨᱮᱫ-ᱟ ?	आम दो सेताक् बेड़ा तिन रेम बेरेत्-आ?	आप सुबह कब जागते हैं?	Am do setak beda tin rem beret-a?	At what time do you get up in the morning?
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱥᱮᱛᱟᱜ ᱵᱮᱲᱟ ᱛᱩᱨᱩᱭ ᱵᱟᱡᱟ ᱛᱮᱧ ᱵᱮᱨᱮᱫ-ᱟ ।	ईञ दो सेताक् बेड़ा तुरूई बाजातेञ बेरेत्-आ।	मैं सुबह छ: बजे उठता हूँ।	In do setak beda turui baja ten beret-a.	I get up at six O'clock in the morning.
ᱟᱢ ᱠᱤ ᱫᱤᱱᱟᱹᱢ ᱦᱤᱞᱚᱜ–ᱮᱢ ᱵᱮᱭᱟᱢ ᱜᱮᱭᱟ ?	आम की दिनाम् हिलोक् एम व्यायाम गेया?	क्या आप प्रतिदिन कसरत करते हैं?	Am ki dinam hilok em beyam geya?	Do you do exercise everyday?
ᱦᱚᱭ ! ᱤᱧ ᱫᱚ ᱡᱚᱜ ᱵᱮᱭᱟᱢᱤᱧ ᱠᱚᱨᱟᱣ ᱜᱮᱭᱟ ।	हॉय! ईञ दो योग व्यायामिञ कराव गेया।	हाँ! मैं योग करती/करता हूँ।	Hoi! In do jog beyam-in korao geya.	Yes, I practice yoga.
ᱟᱯᱮ ᱵᱤᱨᱫᱟᱜᱟᱲ ᱨᱮ ᱡᱟᱦᱟᱸᱭ ᱡᱚᱜ ᱢᱟᱪᱮᱫ–ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱠᱚᱣᱟ ?	आपे बिरदागाड़ रे जाँहाय योग माचेत् मेनाक् कोआ?	आपके स्कूल में कोई योग शिक्षक/शिक्षिका हैं?	Ape birdagarh re jahai jog machet menak kowa?	Is there a yoga teacher in your school?

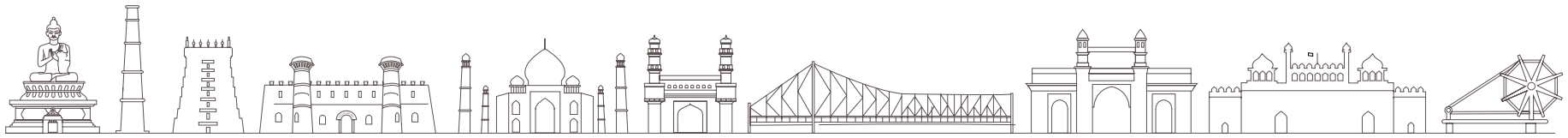

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱦᱚᱭ ! ᱟᱞᱮᱭᱟᱜ ᱵᱤᱨᱫᱟ.ᱜᱟᱲ ᱨᱮ ᱡᱚᱜ ᱵᱮᱭᱟᱢ–ᱢᱟᱪᱮᱛ ᱢᱮᱱᱟᱭᱟ ।	हॉय, आलेयाक् बिरदागाड़ रे योग व्यायाम माचेत् मेनाया?	हाँ, हमारे स्कूल में योग शिक्षक हैं।	Hoi, aleyak birdagarh re jog beyam machet menaya?	Yes, we have a yoga teacher in our school.
ᱩᱱᱤ ᱫᱚ ᱟᱞᱮ ᱡᱚᱜ ᱵᱮᱭᱟᱢ ᱥᱟᱶᱸᱛᱮ ᱟᱨᱦᱚᱸ ᱮᱴᱟᱜᱟᱜ ᱵᱮᱭᱟᱢ ᱠᱚᱭ ᱥᱮᱸᱫᱟ ᱣᱟᱞᱮᱭᱟ ।	उनि दो आले योग व्यायाम आर सॉवते आरहँ एटागाक् व्यायामकय सेंड़ा वालेया।	वे हमें योग और दूसरे व्यायाम सिखाती/सिखाते हैं।	Unido ale jog beyam saonte arhon etagak beyamkoy sendawaleya.	She/He teaches us yoga and other excercises.
ᱮᱭᱟᱭ ᱢᱟᱦᱟᱸ ᱦᱤᱞᱚᱜ: ᱠᱷᱮᱞ–ᱮᱱᱮᱪ	**एयाय माहा हिलोक् खेल एनेच**	**सातवाँ दिन खेल-कूद**	**Eyay maha hilok Khel-enech**	**Seventh day Games and Sports**
ᱟᱢ ᱠᱷᱮᱞ/ᱮᱱᱮᱪ–ᱮᱢ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ?	आम खेल/एनेच एम कुशियाक् आ?	आपको खेलना पसंद है?	Am khel/enech em kusiyak-a?	Do you like to play?

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱦᱚᱭ, ᱤᱧ ᱫᱚ ᱯᱷᱩᱴᱵᱚᱞ(ᱜᱮᱸᱰ) ᱠᱷᱮᱞᱤᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ।	हॉय, ईञ दो फुटबोल (गेंड़) एनेच/खेल ईञ कुशियाक्-आ।	हाँ, मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है।	Hoi, In do footbol (gend) khel in kusiak-aa.	Yes. I like to play football.
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱤᱱᱰᱚᱨ ᱜᱮᱢᱥ/ ᱵᱷᱤᱛᱚᱨ.ᱟ ᱠᱷᱤᱞᱚᱸᱰ – ᱠᱚᱭᱤᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ, ᱟᱢ ᱫᱚ ?	ईञ दो (इन्डोर गेम्स) भितार खिलोंड-कयिञ कुसियाक्-आ, आम दो?	मुझे इनडोर गेम पसंद है और आपको?	In do bhitar khilond (indoor games) koin kusiyak-a, am do?	I like indoor games. What about you?
ᱤᱧ ᱦᱚᱸ ! ᱤᱧ ᱫᱚ ᱴᱮᱵᱤᱞ ᱴᱮᱱᱤᱥ-ᱤᱧ ᱠᱷᱮᱞ–ᱟ ।	ईञ हों ! ईञ दो टेबिल-टेनिस ईञ खेल-आ।	मुझे भी। मैं टेबल-टेनिस खेलता/खेलती हूँ।	In hon! In do table-tennis in khel-a.	Me too! I play table tennis.
ᱟᱢ ᱵᱷᱤᱰᱤᱭᱳ ᱜᱮᱢ-ᱠᱚᱢ ᱠᱷᱮᱞ–ᱟ ?	आम वीडियो गेम्स-कोम खेल-आ?	आप वीडियो गेम खेलती हैं?	Am video game-kom khel-a?	Do you play video games?
ᱵᱟᱱ–ᱟ, ᱤᱧ ᱫᱚ ᱵᱷᱤᱰᱤᱭᱳ ᱜᱮᱢ ᱫᱚ ᱵᱟ.ᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ । ᱤᱧ ᱫᱚ ᱵᱟᱦᱨᱮ ᱠᱷᱮᱞ ᱜᱤᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ । ᱡᱮᱞᱮᱠᱟ ᱠᱟᱵᱟᱰᱰᱤ ।	बाडआ, ईञ दो वीडियो गेम दो बाञ कुशीयाक् आ। ईञ दो बाहरे रे खेलगिञ कुशियाक् आ, जेलेका कबाड्डी।	हाँ, मुझे वीडियो गेम पसंद नहीं है। मुझे बाहर खेलना पसंद है, जैसे कबड्डी।	Ban-a, In do video game do ban kusiak-aa. In do bahre khel gin kusiak-a. Jeleka kabaddi.	No, I don't like video games. I like to play outdoor games, like Kabaddi.

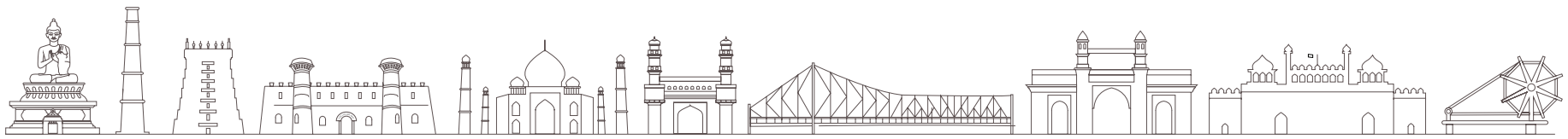

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱤᱨᱟᱹᱞ, ᱟᱨᱮ ᱟᱨ ᱜᱮᱞ ᱢᱟᱦᱟ ᱦᱤᱞᱚᱜ: ᱟᱵᱳ ᱟᱲᱮᱯᱟᱥᱮ	**ईराल, आरे आर गेल माहा हिलोक आबो आड़ेपासे**	**आठवाँ, नौवाँ और दसवाँ दिन हमारे आस-पास**	**Iral, Are ar gel maha hilok Aabo adepase**	**Eighth, Ninth and Tenth day Our Surroundings**
ᱟᱯᱮ ᱴᱚᱴᱷᱟᱨᱮ/ ᱮᱞᱮᱠᱟᱨᱮ ᱚᱠᱟ ᱜᱟᱰᱟ/ᱱᱟᱹᱭ ᱟᱹᱛᱩᱜ ᱠᱟᱱᱟ ?	आपे टोठारे/एलेका रे ऑका गाडा/नाई आतुक् काना?	आपके इलाके में कौन-सी नदी बहती है?	Ape tothare/elakare oka gada/nai atuk kana?	Which river flows in your area?
ᱟᱞᱮ ᱴᱚᱴᱷᱟᱨᱮᱫᱚ ᱥᱚᱵᱚᱨᱱᱟᱠᱷᱟ ᱱᱟᱹᱭ ᱟᱹᱛᱩᱜ ᱠᱟᱱᱟ ।	आले टोठारे/एलेका रेदो सोबोरनाखा नाइ आतुक् काना।	मेरे इलाके में सुर्बनारेखा नदी बहती है।	Ale tothare/elekaredo sobornakha nai atuk kana.	River Subarnarekha flows through our village.
ᱳᱱᱟ ᱠᱤᱱᱟᱹᱨᱤ ᱠᱚᱨᱮ/ ᱫᱷᱟᱨᱮ ᱠᱚᱨᱮ ᱟᱹᱰᱤᱜᱟᱱ ᱵᱟᱜᱣᱟᱱ ᱢᱮᱱᱟᱜ-ᱟ ।	ऑना किनारी कोरे/धारे कोरे आडिगान बागवान मेनाक-आ।	उसके किनारे बहुत सारे बगीचे हैं।	Ona kinari kore/ dhare kore adigan bagwan menak-a.	There are many gardens on the banks of it.
ᱟᱞᱮ ᱡᱚᱛᱚ ᱦᱚᱲ ᱳᱸᱰᱮ ᱫᱟᱸᱲᱟᱱ ᱞᱮ ᱪᱟᱞᱟᱜ-ᱟ ।	आले जोतोहड़ ओंडे दाँड़ान ले चालाक्–आ।	हम सब वहाँ घूमने जाते हैं।	Ale joto hor onde dadan le chalak-a.	We go to the there for a stroll.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱢ ᱚᱠᱟᱨᱮ ᱫᱟᱹᱲᱟᱱᱮᱢ ᱪᱟᱞᱟᱜ-ᱟ ?	आम ओंकारे दाँड़ान एम चालाक्-आ?	आप कहाँ घूमने जाते हैं?	Am okare dadan em chalak-a?	Where do you go for a stroll?
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱯᱟᱨᱠ ᱨᱮ ᱫᱟᱹᱲᱟᱹᱱᱤᱧ ᱪᱟᱞᱟᱜ-ᱟ ।	ईञ दो पार्क रे दाँड़ान ईञ चालाक् आ।	हम पार्क में घूमने जाते हैं।	In do park re dadanin chalak-a.	We go to the park for a stroll.
ᱟᱞᱮᱭᱟᱜ ᱥᱟᱦᱟᱨ/ ᱱᱟᱜᱟᱨ ᱥᱚᱨ ᱨᱮ ᱢᱤᱫᱴᱟᱹᱝ ᱵᱩᱨᱩ ᱢᱮᱱᱟᱜ-ᱟ ।	आलेयाक् साहर/नागार सोर रे मित्टाङ बुरू मेनाक् आ।	हमारे शहर के बाहर एक पहाड़ है।	Aleyak sahar/nagar sor re mit-tan buru menak-a.	There is a mountain outside our city.
ᱚᱱᱟ ᱫᱚ ᱫᱟᱹᱲᱟᱹᱱ ᱨᱮᱱᱟᱜ ᱟᱰᱤ ᱱᱟᱯᱟᱭ ᱴᱷᱟᱶ ᱠᱟᱱᱟ ।	ऑना दो दाँड़ान रेनाक आ़डि नापाय ठाँव काना।	यह घूमने की बहुत अच्छी जगह है।	Onado danan renak adi napai thaon kana.	This is a nice place to move around.
ᱟᱯᱮ ᱴᱚᱴᱷᱟᱨᱮ/ ᱮᱞᱮᱠᱟᱨᱮ ᱠᱷᱮᱛ ᱠᱚ ᱢᱮᱱᱟᱜ-ᱟ ?	आपे टॉठारे/एलेका रे खेत को मेनाक् आ।	आपके इलाके में खेत हैं?	Ape tothare/elekare khet ko menak a?	Are there fields in your area?
ᱦᱚᱭ, ᱟᱞᱮ ᱮᱞᱮᱠᱟᱨᱮ/ ᱴᱚᱴᱷᱟᱨᱮ ᱟᱰᱤᱜᱟᱱ ᱠᱷᱮᱛ ᱢᱮᱱᱟᱜ-ᱟ ।	हॉय आले एलेका/टॉठारे आ़डिमान खेत मेनाक् आ।	हाँ हमारे इलाके में बहुत खेत हैं।	Hoi, ale eleka/totha re adigan khet menak-a.	Yes, there are many fields in our area.

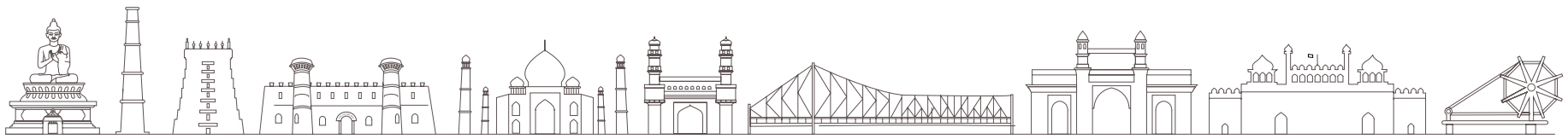

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱞᱮ ᱚᱸᱰᱮ ᱵᱤᱨ ᱦᱚᱸ ᱢᱮᱱᱟᱜ–ᱟ ।	आले ओंडे बिर हों मेनाक् आ।	वहाँ जंगल भी है।	Ale onde bir hon menak aa.	There is also a jungle there.
ᱚᱱᱟ ᱵᱤᱨ ᱨᱮ ᱢᱤᱫᱴᱟᱝ ᱡᱷᱟᱨᱱᱟ ᱢᱮᱱᱟᱜ-ᱟ ।	ओना बिर रे मित्टाङ झारना मेनाक् आ।	उस जंगल में एक झरना है।	Ona bir re mit-tan jharna menak-a.	There is a stream in the jungle.
ᱟᱢ ᱡᱷᱟᱨᱱᱟ–ᱭᱮᱢ ᱧᱮᱞ ᱟᱠᱟᱫᱟ ?	आम झारनायेम ञेले आकादा?	आपने झरना देखा है?	Am jharna yem nel akada?	Have you seen a stream?
ᱵᱟᱝ, ᱧᱮᱞ–ᱤᱧ ᱠᱷᱚᱡᱽ ᱠᱟᱱᱟ/ᱧᱮᱧᱮᱞ ᱥᱟᱱᱟᱧ ᱠᱟᱱᱟ ।	बाङ, ञेलिञ खोज् काना/ ञेञेल सानाञ काना।	नहीं, मैं देखना चाहूँगा।	Ban, nel in khoj kana/nenel sanan kana.	No, but I would like to see one.
ᱟᱞᱮ ᱟ.ᱛᱩᱛᱮ ᱦᱤᱡᱩᱜ–ᱢᱮ, ᱤᱧ ᱡᱷᱟᱨᱱᱟᱧ ᱧᱮᱞ ᱚᱪᱚᱢᱮᱭᱟ ।	आले आतुते हिजुक् मे, ईञ आम झारनाञ ञेल ओचोमेया।	हमारे गाँव आना, मैं आपको झरना दिखाउँगी/दिखाउँगा।	Ale atute hijuk me, in jharnan nel ochomeya.	Come to our village, I will show you a stream.
ᱢᱤᱫ–ᱜᱮᱞ ᱢᱤᱫ ᱢᱟᱦᱟᱸ ᱦᱤᱞᱚᱜ: ᱢᱚᱥᱚᱢ (ᱨᱮᱭᱟᱲ–ᱨᱟᱵᱟᱝ)	**मिद-गेल-मिद माहा हिलोक मोसोम (रियाड़-राबाङ)**	**ग्यारहवाँ दिन मौसम**	**Mit-Gel-mit maha hilok Mosom(Reyad-raban)**	**Eleventh day Weather**

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱳᱦ, ᱴᱤᱦᱤᱧ ᱫᱚ ᱟ.ᱰᱤᱡᱳᱨ ᱜᱮ ᱩᱫᱜᱟ.ᱨ ᱠᱟᱱᱟ ।ᱱᱤᱛᱳᱜ ᱫᱚ ᱫᱟᱜ ᱡᱟ.ᱬᱤ ᱦᱩᱭ ᱞᱟ.ᱜᱟᱛᱤᱜ ᱠᱟᱱᱟ ।	ओह, तिहिञ दो आ़डिजोर उद्गार काना। नितोक् दॉ दाक्-जाड़ि होय लाग़तिक् काना।	उफ़! आज बहुत गर्मी हो रही है। अब बारिश होनी चाहिए।	Oh, tihin do adijor ge udgar kana. Nitok do dak jani hui lagtik kana.	Oh! It's too hot today. I wish it rains now.
ᱟᱯᱮ ᱴᱚᱴᱷᱟᱨᱮᱱᱟᱜ ᱢᱚᱥᱚᱢ ᱨᱮᱭᱟᱰ ᱨᱟᱵᱟᱝ ᱪᱮᱫᱞᱮᱠᱟᱱᱟ ?	आपे टोठारेनाक् मोसोम (होय-हिसिद) चेत् लेकाना ?	आपके क्षेत्र में मौसम कैसा है?	Ape totharenak mosom/ (reyad-rabang) chetlekana?	How is the weather (like) in your area?
ᱳᱰᱮᱱᱟᱜ ᱢᱳᱥᱳᱢ/ ᱦᱚᱭ–ᱦᱤᱥᱤᱫ ᱫᱚ ᱛᱷᱤᱠ ᱜᱮ ᱛᱟᱦᱮᱱᱟ ᱟᱨ ᱵᱟᱝᱠᱷᱟᱱ ᱛᱷᱳᱰᱟ ᱞᱳᱞᱳ ᱛᱟᱦᱮᱱᱟ ।	ओंडेनाक मोसोम/होय-हिसिद दो ठिक गे ताहेना आर बाङखान थोड़ा लॉलॉ ताहेना।	यहाँ का मौसम ज्यादातर सामान्य या गरम रहता है।	Odenak mosom/ hoihisid do thik ge tahena ar bankhan thoda lolo tahena.	The weather there is moderate or hot generally.
ᱟᱢ ᱠᱤ ᱢᱳᱨᱩᱵᱷᱩᱢᱤᱢ/ ᱜᱤᱴᱤᱞ ᱴᱟᱱᱰᱤᱢ ᱧᱮᱞ ᱟᱠᱟᱫᱟ ?	आम कि मरूभूमि/ गितिलटाँडिम ञेल आकादा?	क्या आपने रेगिस्तान देखा है?	Am ki morubhumim/ gitil tandim nel akada?	Have you seen a desert?

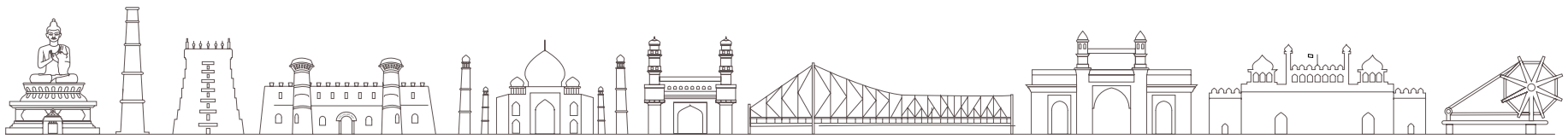

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱵᱟᱝ, ᱤᱧ ᱫᱚ ᱢᱟᱨᱩᱵᱷᱩᱢᱤ/ᱜᱤᱛᱤᱞᱴᱟᱸᱰᱤ ᱵᱟᱝ ᱧᱮᱞ ᱟᱠᱟᱫᱟ ।	बाङ, इञ दो मरूभूमि/ गतिलटाँड़ि बाञ ञेल आकादा।	नहीं, मैंने रेगिस्तान नहीं देखा।	Ban, In do marubhumi/gitiltandi do ban nel akada.	No, I have not seen a desert.
ᱚᱸᱰᱮ ᱢᱟ ᱟᱹᱰᱤᱜᱮ ᱞᱚᱞᱚ ᱟᱹᱭᱠᱟᱹᱣ-ᱟ ।	ओडेमा आ़डिगे लॉलॉ आईकाक् आ।	वहाँ तो बहुत गर्मी होती है।	Ondema adige lolo aikaok-a.	It's very hot there.
ᱦᱮᱢ, ᱢᱮᱱᱠᱷᱟᱱ ᱱᱤᱸᱫᱟ ᱫᱚ ᱜᱤᱛᱤᱞ ᱨᱮᱭᱟᱲ-ᱮᱱ ᱜᱮ ।	घेम, मेनखान निंदा दो गितिल रेयाड़ेन गे।	हाँ, लेकिन रात में रेत ठंडा हो जाता है।	Hoi, menkhan nida do gitil reyad-en ge.	Yes, but the sand becomes cold at night.
ᱤᱧ ᱦᱚᱸ ᱢᱟᱨᱩᱵᱷᱩᱢᱤ/ᱜᱤᱛᱤᱞᱴᱟᱸᱰᱤ ᱧᱮᱧᱮᱞ ᱥᱟᱱᱟᱧ ᱠᱟᱱᱟ ।	ईञ हों मरूभूमि/गितिलटाँड़ि ञेञेल सानाञ काना।	मैं भी रेगिस्तान देखना चाहती/ चाहता हूँ।	In hon marubhumi/ gitil tandi nenel sanan kana.	I would like to see the desert.
ᱫᱤᱱᱠᱟᱞᱚᱢ ᱱᱤᱨᱚᱱ ᱪᱷᱩᱴᱤ ᱨᱮ ᱤᱧ ᱫᱚ ᱟᱞᱮ ᱚᱲᱟᱜ ᱦᱚᱲ ᱥᱟᱶᱛᱮ ᱵᱩᱨᱩ ᱫᱤᱥᱚᱢ ᱫᱟᱲᱟᱱ ᱤᱧ ᱪᱟᱞᱟᱣ ᱞᱮᱱᱟ ।	दिनकालम निरोन छुटि रे इञ दो आले ओड़ाक् हड़ सांव बुरू दिसोम दांड़ान ईञ चालाव लेना।	मैं पिछली गर्मी की छुट्टियों में अपने परिवार के साथ पहाड़ों पर घूमने गयी/गया थी/था।।	Dinkalom niron chhutire in do ale orak hor saonte buru disom danan in chalao lena.	Last summer holidays I had visited Himalayas with my family.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱚᱸᱰᱮ ᱫᱚ ᱨᱟᱵᱟᱝ ᱫᱤᱱ ᱠᱟᱡᱟᱠ ᱵᱚᱨᱚᱯ ᱧᱩᱨᱩᱹᱜ-ᱟ ᱾	ओंडे दो राबाङ दिन काजाक् बरफ ञुरहाक्-आ।	वहाँ सर्दियों में बहुत बर्फ़ गिरती है।	Onde do raban din kajak baraf nuruk-aa.	It snows a lot during winter.
ᱜᱮ-ᱵᱟᱨ, ᱜᱮ-ᱯᱮ, ᱜᱮ-ᱯᱳᱱ ᱟᱨ ᱜᱮ-ᱢᱚᱬ ᱢᱟᱦᱟ ᱦᱤᱞᱳᱜ: ᱯᱟᱨᱟᱵᱽ-ᱯᱤᱦᱟ.	**गेलबार, गेलपे, गेलपोन आर गेल मड़ेमाहा हिलोक् पाराब-पिहा**	**बारहवाँ, तेरहवाँ, चौदहवाँ और पंद्रहवाँ दिन उत्सव-त्योहार**	**Gel-bar, gel-pe, gel-pon ar gel-mone maha hilok Parab-Piha**	**Twelfth, Thirteenth, Forteenth and Fifteenth day Festivals**
ᱟᱢᱟᱜ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱱᱟᱜ ᱯᱟᱨᱟᱵᱽ ᱫᱚ ᱚᱠᱟᱴᱟᱜ ᱠᱟᱱᱟ ?	आम कुशियानाक् पाराब दो ओकाटाक् काना?	आपका पसंदीदा त्योहार कौन सा है?	Amak kusianak parab do okatak kana?	What is your favorite festival?
ᱤᱧᱟᱹᱜ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱱᱟᱜ ᱯᱟᱨᱟᱵᱽ ᱫᱚ ᱥᱚᱦᱨᱟᱭ ᱾	ईञाक् कुशियानाक् पाराब दो सहराय।	मेरा पसंदीदा त्योहार सोहराय है।	In-ak-kusiak parab do sohrai.	My favorite festival is Sohrai.
ᱥᱚᱦᱨᱟᱭ ᱫᱚ ᱤᱧᱦᱚᱸ ᱟᱹᱰᱤᱜᱤᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ᱾	सहराय दो ईञ हों आ़डिगेञ कुशियाक्-आ।	सोहराय मुझे भी बहुत पसंद है।	Sohrai do inhon adigen kusiak-a.	I also like Sohrai very much.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱢᱮᱱᱠᱷᱟᱱ ᱵᱟᱦᱟ ᱫᱚ ᱡᱚᱛᱚᱠᱷᱚᱱ ᱡᱟᱥᱛᱤᱱ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ।	मेनखान बाहा दो जोतोखोन जा़सतिञ कुशियाक्-आ।	लेकिन मुझे होली ज़्यादा पसंद है।	Menkhan baha do jotokhon jastin kusiak-a.	But I like Holi the most.
ᱵᱟᱦᱟᱨᱮ ᱟᱞᱮ ᱫᱚ ᱟᱰᱤ ᱡᱚᱨ ᱫᱟᱜ ᱞᱮ ᱟᱨᱮᱡ ᱟᱯᱟᱨᱮᱡᱚᱜ-ᱟ ।	बाहारे आलेदो आ़डिजोर दाक् ले आरेज आपारेजोक्-आ।	होली में हम खूब पानी से खेलते हैं।	Bahare aledo adijor dak-le arej aparejok-a.	We play a lot with water in Holi.
ᱯᱟᱨᱟᱵ ᱨᱮ ᱟᱞᱮ ᱫᱚ ᱫᱚᱢᱮ ᱯᱤᱴᱷᱟ- ᱞᱟᱴᱷᱟ ᱞᱮ ᱡᱚᱢᱟ ।	पाराब रे आले दो दमे पिठा-लाठा ले जमा।	त्योहारों में हम खूब मिठाइयाँ खाते हैं।	Parab re aledo dome pitha-latha le joma.	We eat a lot of sweets during festivals.
ᱦᱚᱭ, ᱢᱮᱱᱠᱷᱟᱱ ᱥᱮᱢᱚᱭ ᱫᱚ ᱤᱫ ᱨᱮᱭᱟᱜ/ᱨᱮᱱᱟᱜ ᱠᱷᱟᱥ ᱡᱚᱢᱟᱜ ᱠᱟᱱᱟ ।	हॉय, मेनखन सेमोइ दो इद रेयाक् खास जॉमाक् काना।	जैसे, सेवइयाँ ईद का खास पकवान है।	Hoi, menkhan semoi do id reyak/renak khas jomak kana,	Like sevaiyan is a special dish of Eid.
ᱯᱟᱨᱟᱵ-ᱯᱤᱦᱟ ᱨᱮ ᱯᱟᱨᱟᱵ ᱴᱟᱸᱰᱤᱨᱮ ᱫᱟᱱᱟᱱ ᱦᱚᱸ ᱟᱰᱤ ᱨᱟᱢᱟᱡ ᱵᱩᱡᱷᱟᱹᱚᱜ-ᱟ ।	पाराब पिहा़ रे पाराब टांडीरे दाँड़ान आ़डि रमज बुझा़ओक्-आ।	त्योहारों के समय मेले में घूमना भी बहुत अच्छा लगता है।	Parab-piha re parab tandire danan hon adi ramaj bujhaok-aa.	I like to roam around in fairs during festivals.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱦᱳᱭ ᱤᱧ ᱦᱚᱸ ᱫᱟᱸᱲᱟᱱ ᱫᱚᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱜᱮᱭᱟ ᱾	होय, इन हो दांड़ानिञ कुशियाक् आ।	हाँ मुझे भी घूमना पसंद है।	Hoi, in hon danan don kusiak geya.	Yes, I also like to move around.
ᱟᱯᱮ ᱵᱤᱨᱫᱟᱹᱜᱟᱲ ᱨᱮ ᱯᱷᱩᱨᱜᱟᱹᱞ ᱢᱟᱦᱟᱸ ᱳᱠᱟᱞᱮᱠᱟ ᱢᱟᱱᱟᱣ ᱦᱩᱭᱩᱜ–ᱟ ?	आपे बिरदा़गाड़ रे फुरगा़ल माहा ओकालेका मानाव हुयुक् आ?	आपके स्कूल में स्वतंत्रता दिवस कैसे मनाया जाता है?	Ape birdagarh re furgal maha okaleka manao manao huyuk aa?	How is Independence Day celebrated in your school?
ᱟᱞᱮ ᱪᱤᱨ ᱞᱮ ᱳᱴᱟᱝ–ᱟ, ᱡᱟᱛᱭᱟᱹᱨᱤ ᱥᱮᱨᱮᱧ ᱞᱮ ᱥᱮᱨᱮᱧ–ᱟ, ᱞᱟᱹᱰᱩ–ᱢᱤᱴᱷᱟᱹᱭ ᱦᱚᱸᱞᱮ ᱡᱚᱢᱟ ᱾	आले दो चिर ले ओटाङ आ, जा़तया़रि सेरेञ ले सेरेञा, ला़डू-मिठा़ई हँ ले जोमा।	हम झंडा फहराते हैं, राष्ट्रगान गाते हैं, लड्डू भी खाते हैं।	Ale do chir le otan-a, jatyari seren le serena, ladu-mithai hon le joma.	We hoist flag, sing the national anthem, and eat laddoos too.
ᱳᱱᱠᱟᱜᱮ ᱟᱹᱯᱱᱟᱹᱛ ᱢᱟᱦᱟᱸ ᱦᱚᱸᱞᱮ ᱢᱟᱱᱟᱣ–ᱟ ᱾	ओनकागे आ़पना़त माहा हों ले मानाव आ।	ऐसे ही गणतंत्र दिवस भी मनाते हैं।	Onkage apnat maha hon le manao-aa.	Republic Day is also celebrated in the same manner.
᱒ (ᱫᱚᱥᱨᱟ) ᱚᱠᱴᱳᱵᱚᱨ, ᱜᱟᱱᱫᱷᱤ ᱡᱚᱭᱚᱱᱛᱤ ᱦᱤᱞᱚᱜ ᱫᱚ ᱯᱷᱟᱨᱪᱟᱣᱱᱟ ᱢᱟᱦᱟᱸ ᱞᱮᱠᱟᱛᱮᱞᱮ ᱢᱟᱱᱟᱣᱟ ᱾	2 अक्टूबोर, गाँधी जयंती हिलोक दो आले दो फारचावना माहा लेकाते ले मानाव आ।	2 अक्तूबर को गाँधी जयंती पर हम स्वच्छता दिवस मनाते हैं।	2 October, Gandhi Jayanti hilok do ale do Farchawna maha lekate le manaw a?	We observe Swachhta Diwas on birth anniversary of Mahatma Gandhi on 2nd October.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱵᱤᱨᱫᱟ.ᱜᱟᱲ ᱨᱮ ᱮᱸᱜᱟᱛ-ᱟᱰᱟᱝ ᱢᱟᱦᱟᱸ ᱦᱚᱸ ᱢᱟᱱᱟᱣ ᱦᱩᱭᱩᱜ ᱜᱮᱭᱟ, ᱡᱟᱦᱟᱸ ᱫᱚ ᱒᱑ (ᱵᱟᱜᱮ-ᱢᱤᱫ) ᱯᱷᱮᱵᱨᱩᱣᱟᱨᱤ ᱦᱤᱞᱳᱜ ᱢᱟᱱᱟᱣ ᱦᱩᱭᱩᱜ-ᱟ ᱾	बिरदा़गाड़ रे एंगात आड़ाङ माहा हों मानाव हुयुक् गेया जाहांदो 21 फरवरी हिलोक हुयुक् आ।	स्कूल में मातृभाषा दिवस भी मनाया जाता है जो 21 फरवरी को होता है।	Birdagarh re engat-adan maha hon manao huyuk geya jahando 21 February hilok manao huyuk-a.	Mother Tongue Day is also celebrated in school on 21st February every year.
ᱜᱮ-ᱛᱩᱨᱩᱭ ᱟᱨ ᱜᱮ-ᱮᱭᱟᱭ ᱢᱟᱦᱟᱸ ᱦᱤᱞᱳᱜ: ᱥᱟ.ᱜᱟ.ᱭ	**गे-तुरूय आर गे-एयाय माहा हिलोक् सागाई/सापागाई**	**सोलहवाँ और सत्रहवाँ दिन रिश्ते-नाते**	**Ge-turni ar ge-eyay maha hilok Sagai**	**Sixteenth & Seventeenth day Relations**
ᱟᱯᱮ ᱚᱲᱟᱜ ᱨᱮ ᱚᱠᱚᱭ ᱚᱠᱚᱭ ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱠᱚᱣᱟ ?	आपे ओड़ाक् रे ओकोय ओकोय मेनाक् कोवा?	आपके घर में कौन-कौन रहते हैं।	Ape odak re okoy okoy menak kowa?	Who all are there at your home?
ᱟᱞᱮ ᱚᱲᱟᱜᱨᱮ ᱤᱧ ᱟᱭᱳ-ᱵᱟᱵᱟ, ᱜᱚᱰᱚᱢᱵᱟ-ᱜᱚᱰᱚᱢ ᱟᱭᱳ, ᱤᱧ ᱦᱚᱯᱚᱱᱵᱟ-ᱦᱚᱯᱚᱱᱜᱚ ᱟᱨ ᱢᱤᱫ ᱢᱤᱥᱨᱟᱧ ᱛᱟᱠᱚ ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱠᱚᱣᱟ ᱾	आले ओड़ाक् रे इन आयो-बाबा, गड़मबा-गड़मआयो, हपनबा हपनगो आर मिद् मिसराञ् ताकॉ मेनाक् कोआ।	मेरे घर में माँ-पिताजी, दादा-दादीजी, चाचा-चाची और मेरी बहन है।	Ale odak re in ayo-baba, gadamba-gadam ayo, hapanba hapango ar mit misran tako menak kowa.	My father, mother, grandfather, grandmother, uncle, aunt and my sister are there in my home.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱪᱷᱟ, ᱟᱢ ᱠᱤ ᱡᱟᱸᱦᱟᱸᱛᱤᱥ ᱟᱢ ᱢᱟᱢᱟ ᱳᱲᱟᱜ–ᱮᱢ ᱪᱟᱞᱟᱜ ᱜᱮᱭᱟ ?	आछा, आम जाँहातिस मामा ओंड़ाक् एम चालाक् गेया ?	अच्छा तो क्या आप कभी अपने मामा के घर जाते हो?	Achha, am ki jahantis mama orak-tem chalak geya?	Good! Do you like to visit your maternal uncle's house?
ᱦᱮᱸ ! ᱤᱧ ᱫᱚ ᱪᱷᱩᱴᱤ ᱠᱚᱨᱮ ᱢᱟᱢᱚ ᱳᱲᱟᱜ–ᱛᱮᱧ ᱪᱟᱞᱟᱜ ᱜᱮᱭᱟ ।ᱳᱸᱰᱮ ᱫᱚ ᱟᱹᱰᱤ ᱢᱚᱸᱡᱧ ᱵᱩᱡᱷᱟᱹᱣᱚᱜ–ᱟ ।	हें, ईञ् दो छुटि कोरे मामा-ओड़ाक् ईञ चालाक गेया। ओंडे दो आ़डि मोंज बुझावक् आ।	हाँ! मैं छुट्टी के दिनों में मामा के घर जाती/जाता हूँ। वहाँ बहुत अच्छा लगता है।	Hen, In do chhuti kore mama-orak ten chalak geya. Onde do adi monj bujhaok-a.	Yes, I visit my maternal uncle's house during holidays. I feel good there.
ᱳᱸᱰᱮ ᱫᱚ ᱤᱧᱨᱮᱱ ᱢᱟᱢᱟ–ᱢᱟᱹᱢᱤ, ᱠᱟᱹᱠᱤ ᱟᱨ ᱢᱟᱢᱟᱵᱟ–ᱢᱟᱢᱟ ᱟᱭᱚ ᱛᱟᱠᱚ ᱠᱚ ᱛᱟᱦᱮᱸᱱᱟ ।	ओंडे ईञ रेन मामा-मा़मि, काकि आर मामाबा-मामा आयो ताको को ताहेना।	वहाँ मेरे मामा-मामी, मौसी और नाना-नानी रहते हैं।	Onde in ren mama-mami, kaki ar mamaba - mama ayo tako ko tahena.	My maternal uncle-aunt, mother's sister, and grandparents live there.
ᱤᱧ ᱢᱟᱢᱟ ᱟᱭᱚ ᱟᱹᱰᱤ ᱟᱹᱰᱤ ᱠᱟᱹᱦᱱᱤᱭᱮ ᱞᱟᱹᱭ–ᱟᱸᱡᱚᱢ ᱟᱹᱧᱟ ᱟᱨ ᱡᱚᱢᱟᱜ ᱦᱚᱸᱭ ᱟᱡᱚᱣᱟᱹᱧᱟᱹ ।	इञ् माम्-आयो आ़डि आ़डि कहानि-ए लाइ आंजम आ़ञा आर जोमाक होंए आजोवाञा।	हमारी नानी हमें बहुत कहानियाँ सुनाती हैं।	In mama-ayo adi adi kahni-e lai anjom ana ar jomak hoin ajowana.	Our grandmother tells us a lot of stories.

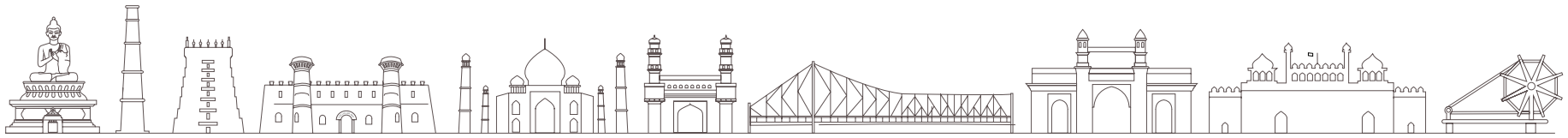

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱢ ᱦᱚᱸ ᱠᱤ ᱟᱢ ᱢᱟᱢᱟ ᱚᱲᱟᱜ-ᱛᱮᱢ ᱪᱟᱞᱟᱜ-ᱜᱮᱭᱟ ?	आम हों कि मामा ओड़ाक् तेम चालाक गेया?	क्या तुम भी अपने मामा के घर जाते हो?	Am hon ki am mama odak tem chalak geya?	Do you also visit your maternal uncle's house?
ᱦᱳᱭ, ᱤᱧ ᱢᱟᱛᱚ ᱢᱟᱢᱚᱧ ᱟᱨ ᱦᱟᱛᱚᱢᱤᱧ ᱵᱟᱱᱟᱦᱚᱲ ᱚᱲᱟᱜ ᱜᱤᱧ ᱪᱟᱞᱟᱜ-ᱟ ।	होय, ईञ मातो मामोञ आर हातमइञ बानाहड़ ओड़ा ईञ चालाक् आ।	हाँ, मैं तो अपने मामा और बुआ दोनों के घर जाता हूँ।	Hoi, in mato momon ar hatomin banahor orak gin chalak-aa.	Yes, I go to my maternal uncle and paternal aunt's house.
ᱤᱧ ᱦᱟᱛᱚᱢ ᱛᱟᱠᱚ ᱚᱲᱟᱜ ᱨᱮ ᱢᱤᱫᱴᱟᱝ ᱥᱮᱛᱟ ᱟᱨ ᱢᱤᱫᱴᱟᱝ ᱯᱩᱥᱤ ᱦᱚᱸ ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱠᱤᱱᱟ. ।	ईञ हातम ताको ओड़ाक् रे मिद्टाङ सेता आर मिद्टाङ पुसि हों मेनाक् किना।	मेरी बुआ के घर में एक कुत्ता और एक बिल्ली भी है।	In hatom tako odakre mittan seta ar mittan pushi hon menak kina.	My aunt has a dog and a cat in her house.
ᱟᱞᱮ ᱚᱲᱟᱜ ᱨᱮᱢᱟ ᱜᱟ.ᱭ ᱟᱨ ᱢᱤᱦᱩᱸ ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱠᱚᱣᱟ ।	आले ओड़ाक् रेमा गाय आर मिहुँ मेनाक् कोआ।	मेरे घर में तो गाय और बछड़े हैं।	Ale orak rema gai ar mihun menak kowa.	I have cows and calves in my house.
ᱟᱞᱮ ᱟ.ᱛᱩᱨᱮ ᱠᱟᱰᱟ-ᱵᱤᱛᱠᱤᱞ ᱟᱨ ᱢᱮᱨᱚᱢ ᱦᱚᱸ ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱠᱚᱣᱟ ।	आले आतु रे काडा-बितकिल आर मेरम हों मेनाक् कोवा।	हमारे गाँव में भैंस और बकरियाँ भी हैं।	Ale atu re kada-bitkil ar meram hon menak kowa.	Goats and buffaloes also live in my village.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱞᱮ ᱚᱲᱟᱜ ᱨᱮ ᱢᱤᱫᱴᱟᱝ ᱢᱤᱨᱩ ᱪᱮᱸᱬᱮᱭ ᱛᱟᱦᱮᱸ ᱠᱟᱱᱟ । ᱢᱤᱫ ᱫᱤᱱ ᱫᱚᱭ ᱩᱰᱟᱣ ᱪᱟᱞᱟᱣ ᱮᱱᱟ । ᱤᱧ ᱫᱚ ᱟᱰᱰᱤ ᱨᱟᱹᱥᱠᱟᱹᱧ ᱵᱩᱡᱷᱟᱹᱣ ᱠᱮᱫᱟ ।	आले ओड़ाक रे मिद्टाङ मिरू चेंड़ेय ताहें काना। मिद् दिन दोय उड़ाव चालावेना। ईञदो आडि रास्काञ बुझाव केदा।	मेरे घर में एक तोता था। एक दिन वह उड़ गया। मुझे बड़ा मज़ा आया।	Ale orak mittan miru chendei tahen kana. Mitdin doi udao chalao-ena. In do addi raskan bujhao keda.	I had a parrot in my home. One day it flew away. I really enjoyed it.
ᱜᱮ-ᱤᱨᱟᱹᱞ ᱟᱨ ᱜᱮ-ᱟᱨᱮ ᱢᱟᱦᱟ ᱦᱤᱞᱚᱜ: ᱥᱟᱸᱜᱷᱟᱨ	**गे-ईराल आर गे-आरे माहा हिलोक् साँधार**	**अठारहवाँ और उन्नीसवाँ दिन यात्रा**	**Ge-iral ar ge-are maha hilok Sanghar**	**Eighteenth and Nineteenth day Travel**
ᱵᱤᱨᱫᱟᱹᱜᱟᱲ ᱨᱮᱱᱟᱜ ᱪᱷᱩᱴᱤᱨᱮ ᱟᱢ ᱫᱚ ᱚᱠᱟᱛᱮ ᱫᱟᱸᱬᱟᱱ ᱪᱟᱞᱟᱜ-ᱮᱢ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ।	बिरदागाड़रेनाक् छुटिरे आम दो ओकाते दांड़ान चालाक् एम कुशियाक् आ?	आप स्कूल की छुट्टियों में कहाँ घूमना पसंद करते हैं?	Birdagarh renah chhutire am do okate danan chalak-em kusiak-a?	Where do you like to visit during the holidays?

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱱᱤᱨᱚᱱ ᱪᱷᱩᱴᱤᱨᱮ ᱵᱩᱨᱩ ᱠᱚᱨᱮ ᱫᱟᱸᱲᱟᱱ ᱪᱟᱞᱟᱜ-ᱤᱧ ᱠᱩᱥᱤᱭᱟᱜ-ᱟ ।	इञ दो निरोन छुटि रे बुरू कोरे दाँड़ान चालाक् इञ् कुशियाक् आ।	मुझे गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ों पर घूमना पसंद है।	In do niron chhuti re buru kore danan chalak in kusiak-a.	I like to visit Himalayas during summer holidays.
ᱛᱟᱦᱞᱮ ᱱᱤᱭᱟ. ᱪᱷᱩᱴᱤᱨᱮ ᱚᱠᱟᱛᱮᱢ ᱪᱟᱞᱟᱜ ᱞᱟ.ᱜᱤᱫᱚᱜ-ᱠᱟᱱᱟ ?	ताहोले निया़ छुटि रे ओकातेम चालाक् लागिदॉक काना।	इन छुट्टियों में कहाँ जाने वाले हो?	Tahole niya chhuti re okatem chala lagidok kana?	Where are you planning to visit in this vacation?
ᱤᱧ ᱢᱟᱛᱚ ᱱᱤᱭᱟ ᱪᱷᱩᱴᱤᱨᱮ ᱥᱤᱠᱠᱤᱢ ᱵᱟᱝᱠᱷᱟᱱ ᱠᱟᱥᱢᱤᱨ ᱤᱧ ᱪᱟᱞᱟᱜ ᱞᱟ.ᱜᱤᱫᱚᱜ ᱠᱟᱱᱟ ।	ईञ मातो निया छुटि रे सिक्किम बाङखान कश्मीर ईञ चालाक् लागिदक् काना।	मैं तो इन छुट्टियों में सिक्किम या कश्मीर जाने वाली/वाला हूँ।	In mato miya chhuti re sikkim bankhan kashmir in chalak lagidok kana.	I will be visiting either Sikkim or Kashmir in the holidays.
ᱨᱟᱵᱟᱝ ᱪᱷᱩᱴᱤᱨᱮ ᱤᱧᱟ.ᱜ ᱢᱟᱛᱚ ᱜᱳᱣᱟ ᱟᱨᱵᱟᱝᱠᱷᱟᱱ ᱟᱱᱫᱟᱢᱟᱱ ᱪᱟᱞᱟᱜ ᱨᱮᱱᱟᱜ ᱥᱟᱱᱟ ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱛᱤᱧᱟ. ।	ईञाक् सानादो राबाङ छुटि रे गोवा आरबाङ खान आंडामान चालाक् रेनाक् साना मेनाक् तिञा।	मेरी इच्छा तो सर्दी की छुट्टियों में गोवा या अंडमान जाने की है।	Inak sana do raban chhuti re goa arbankhan andaman chalak renak sana menak tina.	I would like to go to Goa or Andaman during the winter holidays.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱟᱭᱩ, ᱟᱱᱫᱟᱢᱟᱱ ᱢᱟᱛᱚ ᱡᱟᱞᱟᱠᱠᱟᱨ ᱛᱟᱞᱟᱨᱮ ᱢᱮᱱᱟᱜ-ᱟ, ᱚᱸᱰᱮ ᱫᱚ ᱪᱤᱠᱟ.ᱛᱮ ᱠᱚ ᱪᱟᱞᱟᱜ-ᱟ ?	आ़यु, आंडामान मा जालाक्कार तालारे मेनाक्-आ, अँडे दो चिका़ तेकॉ चालाक् आ।	अरे अंडमान तो समुद्र के अंदर है, वहाँ कैसे जाते हैं?	Ayu, andaman ma jalakkar Talare menak-a, onde do chika teko chalak-a	Andaman is in Ocean, how do people go there?
ᱚᱸᱰᱮ ᱫᱚ ᱩᱰᱟ.ᱜ ᱡᱟᱦᱟᱡ ᱟᱨ ᱫᱟᱜ- ᱡᱟᱦᱟᱡ ᱵᱟᱱᱟᱨ ᱛᱮᱜᱮ ᱪᱟᱞᱟᱣ ᱜᱟᱱᱚᱜ-ᱟ ।	ओंडे दो उड़ान जाहाज आर दाक् जाहाज बनार तेगे चालाव गानोक् आ।	वहाँ हवाई जहाज़ और पानी वाले जहाज़ दोनों से ही जा सकते हैं।	Onde do udan jahaj ar dak jahaj banar tege chalao ganok-aa.	One can go there by an aeroplane or by a ship.
ᱵᱟᱨᱜᱮᱞ ᱢᱟᱦᱟ' ᱦᱤᱞᱚᱜ: ᱤᱧᱟ.ᱜ ᱠᱩᱠᱢᱩ/ᱢᱩᱠᱟ.ᱢ	**बार गेल माहा इञाक् कुकमु/मुकाम**	**बीसवाँ दिन मेरे सपने/लक्ष्य**	**Bargel maha Inak Kukmu/mukam**	**Twentieth day My Dream/Aim**
ᱚᱞᱚᱜ-ᱯᱟᱲᱦᱟᱣ ᱥᱮᱸᱰᱟ ᱠᱟᱛᱮ ᱟᱢ ᱫᱚᱪᱮᱫ ᱮᱢ ᱪᱤᱠᱟ. ᱭᱟ ?	ऑल-पाड़हाव सेंड़ाकाते आमदॉ चेत् एम चेकाया ?	आप पढ़-लिखकर क्या करना चाहते हैं?	Olok-padhao sena kate amdo chet em chikaya?	What do you want to do after studies?

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱚᱱᱚᱞᱤᱭᱟ. ᱵᱮᱱᱟᱣ–ᱚᱜ ᱥᱟᱱᱟᱧ ᱠᱟᱱᱟ ᱾	इञ दो ओनोलिया़ बेनावोक् सानाञ काना।	मैं लेखक बनना चाहती/चाहता हूँ।	In do onoliya benaok sanan kana.	I want to be a writer.
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱟᱞᱮᱭᱟᱜ ᱜᱷᱟᱨᱚᱱᱡᱽ ᱨᱮᱱᱟᱜ ᱠᱟᱹᱢᱤ ᱠᱳᱨᱮᱜᱤᱧ ᱜᱳᱲᱳᱣᱟᱠᱳᱣᱟ ᱾	इञ दो आलेयाक् धारञ्ज रेनाक् का़मी कोरेगेञ गोड़ोवाकोवा।	मैं अपने घरेलू व्यवसाय में सहयोग करूंगी/करूंगा।	In do aleyak gharonj renak kami koregen godowakowa.	I want to support our family business.
ᱳᱠᱟ ᱞᱮᱠᱟᱱᱟᱜ ᱠᱟᱹᱢᱤ, ᱡᱮᱞᱮᱠᱟ ?	ओकालेकान का़मी, जेलेका?	जैसे, किस तरह का व्यवसाय?	Oka lekan kami, jeleka?	Farming/ gardening/ shop/ cloth business.
ᱪᱟᱥ–ᱠᱟᱹᱢᱤ/ᱵᱟᱰᱜᱮ ᱨᱚᱦᱚᱭ/ᱫᱳᱠᱟᱱ/ ᱞᱩᱜᱽᱰᱤ ᱵᱮᱯᱟᱨᱤ ᱮᱢᱟᱱ ᱾	चाषबास/बाड़गेरहय/दोकान/ लुगड़ी वेपारी एमान।	खेती-बाड़ी/ बाग़वानी/ दुकान/ कपड़े का व्यवसाय।	Chas-kami/badge rahai/dokan/lugdi bepari eman.	Farming/ gardening/ shop/ cloth business.
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱨᱟᱡᱽ–ᱟᱹᱨᱤ ᱨᱮ ᱥᱮᱞᱮᱫᱚᱜ ᱥᱟᱱᱟᱧ ᱠᱟᱱᱟ ᱾	ईञ दो राजआ़री रे सेलेदॉक सानाञ काना।	मैं राजनीति में जाना चाहती/ चाहता हूँ।	In do raj arire seledok sanan kana.	I want to join politics.

Santhali	Santhali Devanagri	Hindi	Santhali Roman	English
ᱤᱧᱟᱜ ᱠᱩᱠᱢᱩ ᱫᱚ ᱮᱵᱷᱟᱨᱮᱥᱴ ᱵᱩᱨᱩ ᱪᱚᱴ ᱛᱮ ᱫᱮᱡᱚᱜ–ᱟᱹᱧ ᱢᱮᱱᱟᱜ ᱛᱤᱧᱟᱹ ᱾	ईञाक् कुकमु दॉ, एवरेस्ट बुरू चटते देजोक-आञ मेनाक् तिञा?	मेरा सपना एवरेस्ट पर जाने का है।	Inak kukmu do everest buru chot te dejok-an menak tina.	My dream is to climb the Mount Everest.
ᱤᱧ ᱫᱚ ᱯᱷᱟᱹᱫᱦᱨᱮ ᱵᱟᱞᱟᱱ ᱥᱟᱱᱟᱱᱟᱧ–ᱟ ᱾	ईञ दो फा़द रे बलन सानाञा।	मैं तो सैनिक बनना चाहती/ चाहता हूँ।	In do phad re blan sanana.	I want to become a soldier.

Grateful Acknowledgements are made to:

Ratnottama Das, Munshi Md. Younus, Chofia Basumatary, Bharat Bhushan, Sunita Gupta, Sharada, Satyanath, Mohan S. Niklje, Sushma Jatoo, Dhananjaya Kumar Acharya, Parmananda Jha, Reshma, Dabir Prachiti, Usha Joshi, Chakrapani Pokhrel, Ravi Prakash Tekchandani, Tamil Bharathan, Rajendra Mehta, C. Binodini Devi, Prithvi Raj Thapar, Indra Tekchandani, Parmananda Jha, Gayatri, Bishwajit Barua, Sunil Kumar, Rongjali Rabha, Krishna Aryal, Ranjit Behera, Jiten Murmu, Ashok Kumar, Preeti Shukla, M. Kishan, Yasmin Ashraf, Sandhya Singh, Amarendra Behera, Bharti Kaushik, K. C. Tripathi, Sandhya Sahoo, Mohd. Faruq Ansari, Lalchand Ram, Mohd. Moazzamuddin, Sanjay Kumar Suman, Diwan Hannan Khan, Kirti Kapur, Jatindra Mohan Mishra, R. Meganathan, Pramod Kumar Dubey, Chaman Ara Khan, Naresh Kohli, Meenakshi Khar, Ved Prakash Mishra, Neelkanth Kumar, Rajesh K. Nimesh, Suresh Makwana, (Late) S. G. Wadekar, Tarkeshwar Gupta, Abhishek Kumar Singh, Shakuntla, Moti Lal, Raj Roop, Mahesh Kumar Meena, Kiran Arora, Haseen Khan, Ashish Goyal, Munna, Gurindar Kaur, Ravi Ranjan, Shikha Patwa, Amit Kagra, Paromita Raha, Aarif, Chandan Kumar, Neelkanth Pan, Kriti Gautam, Abdur Razzaque Ziyadi, Imtiyaz Ahmad, Mohd. Tameer, Mohd. Fazil, Shabbir Ahmad, Gagan Arora, Rajat Kumar, Anita, Rekha, Nitin Tanwar, Devkee Nandan, Monu Kumar, Ata Hussain, Ashish Kumar, Jitin, Vivek Mandal, Himanshu, Bharti Singh, Megha Sharma, Riya Kumari, Usha Rawat, Karuna Shankar Tiwari, Devendar, Mukesh Vandana Arimardan, Vimlesh Chaudhary, Ajit Horo, Shanu Mukseem, B. Lungdoh, Amit Kumar, Kusumlata, Meenakshi Kukreti, Tanu Gupta, Jagbandhu Jana, Saumya Malik, Mayank kumar, Vikas Sangwan, Vikash K, Radhe Krishna, Saurav, Yogesh, Vivek Gupta, Deepak Bhardwai, Sanjeet Kumar, Payal Bose, Vijay Kumar, Rashik, Nikhil Sharma, Ankit Bairagi, Vipul Pal, Priya Tiwari and Gautami Gautam.

For queries and comments please contact:

The Joint Director
Central Institute of Educational Technology (CIET)
NCERT, New Delhi 110016

E-Mail: jdciet.ncert@nic.in

Phone: 91-11-26962580

The Head
Department of Education in Languages
NCERT, New Delhi 110016

E-Mail: del.ncert@gmail.com

Phone: 91-11-26565336

National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg, New Delhi-110016
Tel: +91-11-26519154 Fax : +91-11-26519159
Email: director.ncert@nic.in